राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 190 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, शुक्रवार , 21 जनवरी 2022 | मूल्य: 1.50/-

दिल्ली में सस्ता कोरोना टेस्ट

RT-PCR के देने होंगे सिर्फ 300 रुपये

नई दिल्ली/ एजेंसी। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच आम जनता को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को ऐलान करते हुए कोरोना टेस्ट के दाम घटा दिए हैं। अब दिल्ली के सभी अस्पतालों और पैथोलॉजी लैब में आरटी-पीसीआर टेस्ट पहले की तुलना में कम कीमत पर किया जाएगा।

गुरुवार को दिल्ली सरकार की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि अब दिल्ली में आरटीपीसीआर टेस्ट करवाने के लिए सिर्फ 300 रुपये देने होंगे। पहले इस टेस्ट के लिए राजधानी दिल्ली के लोगों को 500 रुपये चुकाने पड़ते थे। वहीं होम कलेक्शन सैंपल लेने के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट की 500 रुपये

होगी। पहले इस टेस्ट के लिए के लोगों को 700 रुपये चुकाने पड़ते थे। इसके साथ ही दिल्ली में अब रैपिड एंटीजन टेस्ट की कीमत 100 रुपये निर्धारित की गई है।

24 घंटे में कोरोना के 12306 नए मामले

बात अगर राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों की करें तो पिछले 24 घंटे में यहां 12306 नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं वायरस से 43 लोगों की मौत दर्ज की गई है। राजधानी में कोरोना संक्रमण दर 21।48% है। पिछले करीब पांच दिनों से नए केस में भले ही कमी आई है, लेकिन मौतों की संख्या कम नहीं हुई है। इस महीने अब तक राजधानी में कोरोना से 352 लोगों की जान गई है। यह बीते कई महीनों के मुकाबले ज्यादा है।

योगी को टक्कर देंगे भीम सेना प्रमुख चंद्र शेखर आज़ाद

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की सियासत में रात दिन भूंचाल से आरहे हैं। एक बिसात बिछती है तो

> चुनावी संग्राम में चंद्रशेखर ने कहा है कि वो कुछ लोगों के सामने अपने प्रत्याशी नहीं उतारेंगे। जिसमें शिवपाल सिंह यादव, ओम प्रकाश राजभर, जयंत चौधरी और स्वामी प्रसाद मौर्य के नाम शामिल हैं।

दोसरा आकर उसे उलट देता है। अब तक योगी आदित्य नाथ की सीट को सब सुरक्षित समझा जारहा था लेकिन अचानक चंद्र शेखर आज़ाद के गोरखपुर सदर सीट से चुनाव लड़ने के ऐलान ने योगी और उनकी युवा हिन्दू वहि्न की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

गुरुवार को आजाद समाज पार्टी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि आजाद समाज पार्टी कांशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्र शेखर आजाद गोरखपुर सदर(322) से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

वहीं इस घोषणा के बाद भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने ट्वीट में लिखा, बहुत-बहुत आभार साधुवाद। पिछले 5 साल भी लड़ा

हूं। अब भी लडूंगा। जय भीम, जय मण्डल। बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय। गौरतलब है कि आजाद समाज पार्टी दलित वोट बैंक के जरिए भीम आर्मी अपनी चुनावी किस्मत आजमाना चाहती है।

भीम आर्मी या आज़ाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्र शेखर आज़ाद जो खुद को रावण कहलाने में भी फख्र मेहसूस करते हैं,अब चुनावी राजनीती में खुल कर सामने आगये हैं। राजनीती के जानकारों के अनुसार जब सपा के संघठन में शामिल ही होने की अखलेश यादव सेभीम आर्मी के मुखिया की बात चल रही थी तो उन्हों ने योगी के विरुद्ध चुनाव लड़ने के लिए सपा प्रमुख से इजाज़त मांगी थी परन्तु नजाने क्यों बात नहीं बानी थी।

बता दें कि चंद्रशेखर आजाद इससे पहले एक प्रेस कांफ्रेंस में ऐलान कर चुके हैं कि उत्तर प्रदेश में वो अकेले दम पर चुनावी मैदान में ताल ठोकेंगे। चंद्रशेखर ने कहा कि हम परिवर्तन की लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि सपा के साथ उनके गठबंधन की बात चल रही थी। लेकिन दोनों के बीच बात नहीं बन पाई।

चुनावी संग्राम में चंद्रशेखर ने कहा है कि वो कुछ लोगों के सामने अपने प्रत्याशी नहीं उतारेंगे। जिसमें शिवपाल सिंह यादव, ओम प्रकाश राजभर, जयंत चौधरी और स्वामी प्रसाद मौर्य के नाम शामिल हैं।

चंद्रशेखर आजाद- सहारनपुर जिले में छुटमलपुर के पास स्थित गांव घड़कोली के रहने वाले चंद्रशेखर आजाद ने देहरादून से एलएलबी की पढ़ाई की है। उन्होंने साल 2015 में भीम आर्मी भारत एकता मिशन का गठन किया था। इसके वो खुद संस्थापक हैं। यह संगठन तब अधिक सुर्खियों में आया जब मई 2017 में शब्बीरपुर गांव में जातीय हिंसा हुई थी। इस दौरान भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरीं थीं

चंद्रशेखर आजाद अक्सर दलित मामलों में कार्रवाई की मांग उठाते रहे हैं। हाथरस, राजस्थान और हरियाणा में हुई तमाम घटनाओं को लेकर चंद्रशेखर ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा दिल्ली में संत रविदास मंदिर हटाने से रोकने को लेकर भी आंदोलन किया था।

गोवा की सियासत में भी आ सकता हैं भूंचाल

उत्पल परिकर करेंगे 'आप' ज्वाइन?

नई दिल्ली/ एजेंसी । अपने दौर के कद्दावर लेदर और गोवा की सियासत में भारतीय जनता पार्टी को ज़िन्दगी अत करने वाले मनोहर परीका का इंतेक़ाल क्या हुआ के भाजपा ने उनके परिवार से बिलकुल ही ऑखें फेर ली। स्वार्गिय मनोहर परिकर के बेटे उत्पल परिकर इसबार भाजपा के टिकिट से चुनाव लड़ना चाहते थे किन्तु भारीतय जनता पार्टी ने उनकी उमीदों को रौंद डाला। उत्पल परिकर गोवा की राजनीती में काफी प्रतिभा शैली नेता हैं। उनके साथ बड़ी तादाद में यूथ जुड़ा है। उनके पिता की ईमानदार

छवि और सादगी को गोवा के लोग कभी नहीं भुलासकेंग। उत्पल परिकर में भी अपने पिता के बहुत से गुण पाए जाते हैं। भाजपा से टिकिट न मिलने की वजह से उत्पल काफी नाराज़ हैं लेकिन अभी उन्हों ने भाजपा से वफादारी को क़ायम रखा है।

केजरीवाल ने ट्वीट में लिखा गोवावासियों को इस बात का दुख होता है कि भाजपा ने परिकर परिवार के साथ भी यूज एंड थ्रो (इस्तेमाल करो और फेंको) की नीति अपनाई है। मैंने हमेशा मनोहर परिकर जी का सम्मान किया है। आप के टिकट पर चुनाव में शामिल होने और लड़ने के लिए उत्पल जी का स्वागत है।

गुरुवार को भाजपा ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस लिस्ट में दिवंगत भाजपा नेता और गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर का नाम शामिल नहीं है। उत्पल पर्रिकर को भाजपा की पहली लिस्ट में शामिल नहीं किए जाने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन्हें आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने का ऑफर दिया है।

जेवर से चुनाव लड़ने से अवतार सिंह भड़ाना ने किया इनकार

नई दिल्ली/ एजेंसी । उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज है। इन सबके बीच समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के गठबंधन को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, मतदान के 20 दिन पहले ही एक कद्दावर नेता ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। यह प्रत्याशी हैं अवतार सिंह भड़ाना जिन्हें सपा-आरएलडी गठबंधन ने जेवर से चुनावी मैदान में उतारा था। एन मौके पर अवतार सिंह भड़ाना ने अपना नामांकन वापस ले लिया। फिलहाल जानकारी के मुताबिक अवतार सिंह भड़ाना की जगह जेवर से इंद्रवीर सिंह भाटी को प्रत्याशी बनाया गया है।

● प्रधानमंत्री 20 जनवरी, 2022 को नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत के ओर' के राष्ट्रीय लॉन्च समारोह में मुख्य भाषण देते हुए।

मैनपुरी के करहल से चुनाव लड़ेंगे अखिलेश

लखनऊ/एजेंसी।

सीएम योगी के गोरखपुर सदर से चुनाव लड़ने के बाद अब खबरें आ रही है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी अपने पारिवारिक गढ़ मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। 1989 के बाद से इस सीट पर समाजवादी पार्टी या उस समय की जनता पार्टी का दबदबा रहा है। केवल 2002 में बीजेपी ने यह सीट जीती थी।

इससे पहले अखिलेश के आजमगढ़ और संभल की सीटों से चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन गुरुवार को सपा के

सूत्रों के हवाले से खबर आई कि वह करहल से चुनाव लड़ेंगे। मैनपुरी सपा का गढ़ माना जाता है। इस समय मैनपुरी से मुलायम सिंह यादव सांसद हैं।

मैनपुरी के अलावा इटावा, फर्रुखाबाद, सैफई भी सपा का घर माना जाता है।

योग्यता को सामाजिक रूप से प्रासंगिक बनाया जाना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी । उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा-पीजी (नीट-पीजी) आरक्षण मामले में गुरुवार को कहा कि परीक्षाएं आर्थिक सामाजिक लाभ को नहीं दर्शाती हैं जोकि कुछ वर्गों को मिला है, इसलिए योग्यता को सामाजिक रूप से प्रासंगिक बनाया जाना चाहिए। पीठ ने गत सात जनवरी को दिए अपने अंतरिम आदेश के संदर्भ में विस्तृत कारण बताते हुए कहा कोरोना महामारी के इस दौर में हमें डॉक्टरों की सख्त आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा यह तर्क नहीं दिया जा सकता है कि जब परीक्षाओं की तारीखें तय की गईं तो ऐन वक्त पर नियमों में बदलाव किया गया। अदालत ने कहा कि ऑल इंडिया कोटा (एआईक्यू) सीटों में आरक्षण देने से पहले केंद्र को इस अदालत की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं थी और इस तरह उनका फैसला सही था।

ऐसे में किसी भी न्यायिक हस्तक्षेप से इस साल प्रवेश प्रक्रिया में देरी होती, पात्रता योग्यता में कोई बदलाव और दोनों पक्षों की ओर से मुकदमेबाजी आगे बढ़ने से नामांकन में देरी होती।

मुलायम परिवार में बीजेपी की एक और सेंधमारी

अखिलेश यादव के मौसा प्रमोद गुप्ता भाजपा में शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले अपर्णा यादव के बाद भाजपा ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को एक और झटका दिया है। भारतीय

जनता पार्टी ने मुलायम परिवार में सेंधमारी की है और अखिलेश यादव के मौसा प्रमोद गुप्ता को पार्टी में शामिल करा लिया है। लखनऊ में गुरुवार को मुलायम सिंह यादव के साढ़ू और औरैया के बिधुना से विधायक रहे प्रमोद गुप्ता ने भाजपा की सदस्यता ली। बता दें कि प्रमोद गुप्ता मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता की बहन के पति हैं। इस तरह प्रमोद गुप्ता मुलायम सिंह यादव के साढ़ू और अखिलेश यादव के मौसा लगेंगे। भाजपा ने इससे पहले बुधवार को अपर्णा यादव को पार्टी में शामिल कराया था। इस तरह से भाजपा ने अपने बागी विधायकों का बदला लेना शुरू कर दिया है। वहीं, मुलायम सिंह के परिवार से उनके समधी भी भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

दिल्ली दंगों में हुई पहली सजा

लूट और आगजनी के दोषी को

नई दिल्ली/ एजेंसी । साल 2020 की शुरुआत हुए इन दंगों में 50 से अधिक लोग मारे गए थे। दिल्ली में कई दशकों बाद इतनी भयानक हिंसा हुई थी। दंगे शुरू होने से पहले के कुछ महीनों में दिल्ली और देश के कई स्थानों पर नागरिकता के कानून में संशोधन को लेकर धरने-प्रदर्शन चल रहे थे।

दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत में पिछले महीने अभियोजन पक्ष ने कहा था कि दिनेश यादव उन 150 से 200 बलवाइयों की भीड़ का हिस्सा थे जिन्होंने मनोरी नाम की एक महिला के घर में तोड़फोड़ की और फिर उसे आग लगा दी।

दिनेश की वकील शिखा गर्ग ने बीबीसी हिंदी को बताया कि जेल के अलावा उनके मुवक्किल को 12 हज़ार रुपये का जुर्माना भी भरना है। शिखा गर्ग ने कहा कि वे जज वीरेंद्र भट्ट के लिखित फ़ैसले का अध्ययन

करने के बाद ही अपने अगले क़दम के बारे में कुछ कह पाएंगी।

शिखा गर्ग ने बीबीसी हिंदी को बताया, हम कड़कड़डूमा कोर्ट के निर्णय के ख़िलाफ़ ऊपरी अदालत में जाएंगे। लेकिन उन्होंने ये नहीं बताया कि वो इस फ़ैसले के ख़िलाफ़ अपील कब दायर करेंगी।

क्या आजम के बिना नही सजेगी भाजपा की चुनावी बिसात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीती में प्रभाव रखने वाले चुनिंदा बड़े नेताओं में से एक , समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मन्त्री व वर्तमान में रामपुर के लोकसभा सांसद आजम खान की जमानत की अटकलें शुरू हो गयी हैं।

दरअसल उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी एक दुसरे के मुखर विरोधी हैं। लेकिन दोनों ही पार्टियों का परस्पर विरोध जाने-अनजाने अपने-अपने वोट बैंक को साधने में एक दूसरे की मदद करता है ।

वैसे तो सभी पार्टियां सभी धर्मों व सभी वर्गों के साथ और विकास की बात करती हैं मगर ध्रुवीकरण की राजनीती में जहाँ बीजेपी हिन्दू वोटों को अपने पक्ष में लामबंद करने का प्रयास करती है वहीं समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यकों की सबसे बड़ी हितैषी होने का दावा करती है। इसी कड़ी में तमाम अल्पसंख्यक नेताओं के

होते हुए भी आजम खान सपा का सबसे बड़ा चेहरा हैं।समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक आजम खान जमीनी नेता माने जाते हैं। नौ बार रामपुर विधानसभा से विधायक रहे आजम खान वर्तमान में रामपुर से लोकसभा सांसद हैं।उनकी रामपुर क्षेत्र में मजबूत पकड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मोदी की आंधी में भी ना सिर्फ उन्होंने खुद लोकसभा सीट जीती बल्कि अपने बेटे और पत्नी को भी विधायक बनवाया।उनकी तकरीरों का असर प्रदेश में दूर तक जाता है। जौहर ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी सहित तमाम मामलों में आजम खान और उनकी पत्नी और बेटे को जेल जाना पड़ा। आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम की तो दिसम्बर 2019 में उच्च न्यायलय ने विधायकी भी खत्म कर दी थी। हालांकि मामला सर्वोच्च न्यायालय में होने के कारण उनकी सीट पर उपचुनाव नही हो पाया।

अपने ऊपर दर्ज 80 कानूनी मामलों में जेल में बंद आजम खान को जमानत पर बाहर आने की संभावनाएं बन रही हैं। उनकी पत्नी के बाद हाल ही में उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को भी अपने अपने ऊपर दर्ज मामलो में जमानत मिल चुकी है। तो वही लखनऊ के हजरतगंज थाने में आज़म खान के खिलाफ दर्ज गाली-गलौच,अपमानित करने के मामले में आज़म खान की जमानत अर्जी पर 20 जनवरी को एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट में सुनवाई होनी हैं। आजम खान के खिलाफ यह मामला 1 जनवरी 2019 को दर्ज हुआ था

अबकी बार चुनाव में 'पाकिस्तान' और 'अब्बाजान' के रफ़्तार नही पकड़ने के कारण चुनाव में ध्रुवीकरण की राजनीति सुस्त पड़ी है। ऐसे में लोग आजम खान की जमानत को चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आजम के बिना भाजपा की चुनावी बिसात नहीं सज पा रही है। आजम परिवार अपने ऊपर दर्ज मामलों को राजनैतिक षड़यंत्र बताता है और प्रदेश की योगी सरकार पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए आजम की जान को खतरा सहित गंभीर आरोप लगा रहा है।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या उत्तर प्रदेश की राजनीती में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक राजनीति के सबसे असरकारक हथियार आजम खान के जमानत के बाद जेल से बाहर आना प्रदेश की राजनीती को कितना प्रभावित कर पायेगा और सपा और भाजपा में किस को कितना फायदा पहुँचा पायेगा ।

पुर्तगाल में होम आइसोलेशन लोगों को वोट डालने घर से निकलने की अनुमति

लिस्बन । पुर्तगाल सरकार ने कोरोना से संक्रमित होने के बाद होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को आगामी 30 जनवरी को चुनाव के दिन वोट डालने के लिए घर से निकलने की अनुमति दी है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पुर्तगाल में करीब एक करोड़ की आबादी में कमोबेश 90 फीसदी लोगों के कोविड टीकाकरण होने के परिप्रेक्ष्य में यह निर्णय लिया गया है।

देश के गृह मंत्री फ्रांसिस्का वान ड्यूनम ने कहा है कि होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को केवल शाम छह से सात बजे तक मतदान केंद्रों पर जाना चाहिए।

पुर्तगाल में अब तक कोरोना संक्रमण के 20 लाख 03 हजार 169 मामले दर्ज किये गये हैं वहीं 19,413 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है।

पाकिस्तान में ईशनिंदा मामले में महिला को मृत्युदंड

रावलपिंडी। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के रावलपिंडी की एक अदालत ने सोशल मीडिया पर ईशनिंदा कंटेन्ट पोस्ट करने के मामले में एक महिला को मृत्युदंड दिया है। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक 26 वर्षीय महिला पर अपने व्हाट्स्ऐप स्टेटस में ईशनिंदा से संबंधित कंटेन्ट पोस्ट किया था। महिला के एक दोस्त ने इसे बदलने का आग्रह किया , तो उसने ऐसा न कर कंटेन्ट उसे ही भेज दिया। आरोपी को मई-2020 में गिरफ्तार किया गया था अदालत ने बुधवार को मामले की सुनवाई के बाद महिला को दोषी ठहराते हुए 20 साल की जेल की सजा और दो लाख रूपये के जुर्माने के साथ मृत्युदंड दिया है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में 80 से अधिक लोग जेल में बंद हैं , जिनमें से आधे को आजीवन कारावास अथवा मृत्युदंड दिया गया है। पिछले वर्ष दिसम्बर में ईशनिंदा के आरोप में पाकिस्तान के सियालकोट में एक श्रीलंकाई को पीट-पीटकर मार डाला था और उसे आग के हवाले कर दिया गया था।

भारत ने यूएई पर आतंकवादी हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में ड्रोन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए भारत ने आम लोगों और अवसंरचना पर हमलों को 'अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन' करार दिया। भारत ने जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को आतंकवाद के ऐसे जघन्य कृत्यों के खिलाफ स्पष्ट संदेश देने के लिए एकजुट होना चाहिए।

सुरक्षा परिषद में पश्चिम एशिया पर चर्चा शुरू करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने अबू धाबी में हाल में हुए आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की जिनमें दो भारतीयों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, ÷निर्दोष नागरिकों और अन्य अवसंचरना पर इस तरह का हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। यह सभी मानदंडों के खिलाफ है।

तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत यूएई के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत इस आतंकवादी हमले की परिषद द्वारा स्पष्ट निंदा के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त करता है। उन्होंने कहा, ÷यह जरूरी है कि परिषद आतंकवाद के ऐसे जघन्य कृत्यों के खिलाफ एक स्पष्ट संकेत भेजने के लिए एकजुट हो।

यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार की सुबह अबू धाबी के मुसाफ्फा आईसीएडी3 इलाके और अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नव निर्मित क्षेत्र को निशाना बनाया। हमलों के बाद पेट्रोलियम टैंकरों में विस्फोट हुआ जिसमें दो भारतीय नागरिकों एवं एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई। घटना में छह अन्य जख्मी हो गए जिनमें दो भारतीय शामिल हैं।

यूएई मिशन ने यहां एक बयान में कहा, ÷हूती विद्रोहियों ने हमलों की जिम्मेदारी लेने की पुष्टि की है।÷ यूएई ने अबू धाबी में हूती विद्रोहियों द्वारा आतंकवादी हमलों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का अनुरोध किया था।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों ने आतंकवादी हमले पर चर्चा की।

जयशंकर ने कड़े शब्दों में आतंकवादी हमले की निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि निर्दोष नागरिकों पर इस तरह का हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है और सभी मानदंडों के खिलाफ है।

तिरुमूर्ति ने वेस्ट बैंक, यरुशलम और गाज़ा में हाल के घटनाक्रम पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷हाल के हफ्तों में आम नागरिकों पर हिंसक हमले बढ़े हैं। तोड़फोड़ और भड़काने की कार्रवाई जारी है। नयी बस्तियां बनाने की घोषणाएं की गई हैं। हम संबंधित पक्षों से टकराव दूर करने के लिए तुरंत ठोस कोशिश करने का आह्वान करते हैं। भारत ने रेखांकित किया कि इस तरह के एकतरफा उपाय जमीन पर यथास्थिति को अनुचित रूप से बदलते हैं, दो-राष्ट्र समाधान की व्यवहार्यता को कम करते हैं और शांति वार्ता की बहाली के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करते हैं। तिरुमूर्ति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को किसी भी ऐसे कदम के खिलाफ कड़ा संकेत देना चाहिए जो निकट भविष्य में इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति की संभावना में रोड़ा अटका सके। भारत ने रेखांकित किया कि वह इजराइली और फलस्तीनी नेतृत्व के बीच सीधे संपर्क को प्रोत्साहित करता है। तिरुमूर्ति ने फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और इजराइल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज के बीच हालिया बैठक का स्वागत किया। उन्होंने इसका भी स्वागत किया कि इसके बाद इजराइल ने पिछली बैठकों में निर्धारित सामाजिक-आर्थिक उपायों को जारी रखने की घोषणा की है। तिरुमूर्ति ने फलस्तीनी मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की दृढ़ और अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नयी दिल्ली ने बातचीत के जरिए 'दो-राष्ट्र समाधान' का समर्थन किया है, जिससे एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फलस्तीन राष्ट्र की स्थापना हो जिसमें लोग सुरक्षित रहें और सीमाओं की पहचान हो तथा इजराइल के साथ शांति रहे।

अमेरिका में लोकतंत्र की रक्षा संबंधी विधेयक मतदान में गिरा

वाशिंगटन।

अमेरिका में लोकतंत्र को बचाने के लिये महत्वपूर्ण बताया जा रहा एक अहम विधेयक बुधवार को सीनेट में मतदान के बाद गिर गया जब डेमोक्रेटिक पार्टी के दो सांसदों ने सदन के नियमों में बदलाव के लिये अपनी पार्टी का साथ देने से इनकार कर दिया।

इस विधेयक के गिरने को राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी के लिये करारी शिकस्त के रूप में देखा जा रहा है, जिनके कार्यकाल को एक साल पूरा हो गया है।

डेमोक्रेटिक पार्टी इस विधेयक को लेकर सीनेट के नियमों में बदलाव करने को लेकर एरिजोना से सांसद क्रिस्टीन सिनेमा और वेस्ट मिशिगन से सांसद जो मैनचिन को नहीं मना सकी और न ही इस विधेयक को आगे बढ़ाने के लिये बहुमत हासिल कर पाई।

बाइडन ने मतदान के बाद एक बयान में कहा, मैं बेहद निराश हूं।

हालांकि, राष्ट्रपति ने कहा कि वह विचलित नहीं हैं और लोकतंत्र की रक्षा के लिये हरसंभव कदम उठाने का संकल्प लेते हैं।

दरअसल, डेमोक्रेट सांसद अमेरिका में चुनावी नियमों में बड़े सुधार के लिए कानून बनाने की तैयारी कर रहे हैं। डेमोक्रेट्स का मानना है कि वोटिंग नियमों में बदलाव करने की जरूरत है, जिससे अश्वेत और अन्य पिछड़े वर्गों को मतदान करने में किसी भी तरह की मुश्किलों को सामना न करना पड़े।

दूसरी ओर रिपब्लिकन पार्टी मताधिकार विधेयक को पक्षपातपूर्ण बताते हुए इसका विरोध करती रही है। पिछले साल तीन बार रिपब्लिकन पार्टी ने मतदान अधिकार विधेयक का विरोध किया था।

इस विधेयक को पारित करने के लिये सीनेट में 60 मतों की जरूरत थी, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी केवल 51 वोट हासिल कर सकी और बहुमत हासिल करने से पीछे रह गई।

राजशाही से रिश्ता तोड़कर गणतांत्रिक देश घोषित करने के बाद बारबाडोस में मध्यावधि चुनाव

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)।

■ मॉटली का मुकाबला डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी की नेता वर्ला डि पेजा और अलायंस पार्टी फॉर प्रोग्रेस के नेता जोसेफ आर्थरली से है। मॉटली और डि पेजा की पार्टियों ने 'हाउस ऑफ असेंबली' की सभी 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि आर्थरली की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

कैरेबियाई क्षेत्र के देश बारबाडोस के पिछले साल के अंत में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से संबंध खत्म करने के बाद बुधवार को मध्यावधि आम चुनाव हुए।

प्रधानमंत्री तथा बारबाडोस लेबर पार्टी की नेता मिया मॉटली लगातार दूसरी बार इस पद के लिये अपनी किस्मत आजमा रही हैं। वह साल 2018 में चुनाव जीतकर देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं।

मॉटली का मुकाबला डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी की नेता वर्ला डि पेजा और अलायंस पार्टी फॉर प्रोग्रेस के नेता जोसेफ आर्थरली से है। मॉटली और डि पेजा की पार्टियों ने 'हाउस ऑफ असेंबली' की सभी 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि आर्थरली की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

'हाउस ऑफ असेंबली' बारबाडोस की संसद का निचला सदन है। इसमें बहुमत हासिल करने के लिये 16 सीटों की जरूरत होती है। वहीं 21 सदस्यीय सीनेट के लिये चुनाव नहीं हुए हैं क्योंकि हाल में नियुक्त राष्ट्रपति ने इन सदस्यों की नियुक्ति की है।

बारबाडोस ने पिछले साल के अंत में ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को राष्ट्राध्यक्ष पद से हटाने और राजशाही से रिश्ता तोड़ने के बाद खुद को गणतांत्रिक देश घोषित किया था और सांद्रा मैसन को देश की पहली राष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। बारबाडोस 1966 में ब्रिटेन से आजाद हुआ था।

फलस्तीन-इजराइल के बीच शांति प्रक्रिया पर धीमी गति से काम कर रहा अमेरिका: फलस्तीनी मंत्री

संयुक्त राष्ट्र।

फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद मल्की ने फलस्तीन के खिलाफ तत्कालीन डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सभी प्रतिकूल नीतियों को पलटने के मामले में धीमी गति से काम करने के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की बृहस्पतिवार को आलोचना की।

मल्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कहा कि इस बात की उम्मीद थी कि ट्रंप प्रशासन और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के शासन का अंत ''नये सिरे से शांति का मार्ग प्रशस्त करने के लिये पर्याप्त होगा।''

उन्होंने कहा बाइडन प्रशासन ट्रंप की ''गैर-कानूनी और गलत'' नीतियों के पलटने के मामले में और विशेषकर अमेरिकी दूतावास को यरूशलम में स्थापित करने के संबंध में बेहद धीमी गति से कदम उठा रहा है।

मल्की ने बाद में पत्रकारों से कहा, ''एक साल पहले जब जो बाइडन राष्ट्रपति बने तो फलस्तीनियों को लगा कि अमेरिका फलस्तीन की ओर रुख करेगा, लेकिन हमने देखा कि इजराइल कुछ हद तक अमेरिका का रुख अपनी ओर मोड़ने में कामयाब रहा और इससे हम सबको बहुत दुख हुआ।''

शिकागो में मॉन्ट्रोस बीच पर एक आदमी के रूप में बर्फ और बर्फ से ढकी मिशिगन झील।

हैती के राष्ट्रपति की हत्या का आरोपी कारोबारी अमेरिका प्रत्यर्पित

मियामी (अमेरिका) ।

हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइसे की हत्या के मामले में डोमिनिकन गणराय में पकड़े गए कारोबारी को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हैती के राष्ट्रपति मोइसे की पिछले साल सात जुलाई को हत्या कर दी गई थी।

न्याय विभाग की प्रवक्ता निकोल नवास ने बुधवार को कहा, ''हम पुष्टि करते हैं कि रोडोल्फ़ जार अब फ्लोरिडा के सदर्न जिले में अमेरिकी हिरासत में है।''

उन्होंने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को भेजे एक लिखित बयान में कहा, ''उसे कल संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।''

जार को करीब एक दशक पहले मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों में दोषी ठहराया गया था और वह एक समय अमेरिकी सरकार के लिए मुखबिर के रूप में भी काम कर चुका है। उसे डोमिनिकन गणराय से प्रत्यर्पित किया गया, जहां उसे इस महीने की शुरुआत में हिरासत में लिया गया था।

हैती के राष्ट्रपति की हत्या के मामले में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया जार दूसरा विदेशी है।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 33.7 करोड़ के पार

वाशिंगटन।

विश्व में कोरोना वायरस (कोविड19) महामारी के मामले 33.7 करोड़ से पार हो गए हैं वहीं कई देशों में इसका नया स्वरूप ओमिक्रॉन तेजी से फैल रहा है।

जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के गुरुवार के आंकड़ों के अनुसार कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 33,78,30,804 है और मृतकों के आंकड़े बढ़कर 55,64,875 तक पहुंच गए है। दुनिया भर में अभी तक कुल 9,71,10,81,600 लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है।

विश्व भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामले के साथ अमेरिका शीर्ष पर है। जहां इस महामारी से अभी तक 6.85 करोड़ से यादा लोग प्रभावित हुए है और 8,57,768 लोग काल के गाल में समा गए हैं।

भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है जहां कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ 82 लाख 18 हजार 773 हो गयी है। सक्रिय मामलों की संख्या 19 लाख 24 हजार 051 हो गयी है और मृतकों के आंकड़े 4,87,693 हो गए हैं। देश में अभी तक तीन करोड़ 58 लाख 07 हजार 029 लोग कोराना मुक्त हो गए हैं।

महामारी के संक्रमण के मामले में ब्राजील तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कोरोना वायरस की जद में अभी तक 2.34 करोड़ से अधिक लोग आ चुके है और इस महामारी ने 6,22,125 लोगों की जान ले ली है।

कोरोना संक्रमण के मामले में ब्रिटेन चौथे स्थान पर है। जहां अभी तक 1.56 करोड़ से अधिक लोग इस महामारी से संक्रमित हो चुके है जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,53,378 तक पहुंच गया है। फ्रांस संक्रमण के मामले में पांचवें पायदान पर है। देश में अभी तक अभी तक 1.42 करोड से अधिक लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके है और 1,28,641 लोगों की मौत हो गयी है।

रूस कोरोना संक्रमण के मामले में छठे पायदान में आ चुका है। देश में अभी तक कोरोना संक्रमण से 1.07 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हो चुके है और इस महामारी से अभी तक 3,16,852 जान गंवा चुके हैं।

तुर्की में अभी तक 1.06 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो गये है और इस महामारी से 85,253 लोगों की जान जा चुकी है।

इटली में 92.19 लाख लोगों के संक्रमित होने के साथ आठवें स्थान पर है। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,42,205 तक पहुंच गया है। स्पेन संक्रमितों के मामले में नौवें पायदान में पहुंच गया है जहां इस महामारी से अभी तक 86.76 से अधिक लोग संक्रमित हो चुके है और इस महामारी से 91,437 लोगों को जान से हाथ धोने पड़े हैं। अर्जेंटीना में वैश्विक महामारी से अभी तक 74.46 लाख से अधिक लोगों के प्रभावित होने से यह दसवें पायदान पर है। देश में मृतकों को आंकड़ा 1,18,628 तक पहुंच गया है।

इसके अलावा विश्व के बाकी देश कोरोना संक्रमण से प्रभावित हैं। महामारी का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

पेंटागन ने असफल काबुल हवाई हमले का पहला वीडियो जारी किया

वाशिंगटन ।

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए एक ड्रोन हमले के वीडियो फुटेज को गोपनीय सूची से हटाते हुए इसे सार्वजनिक रूप से जारी किया है। अमेरिकी सैनिकों की देश से वापसी के आखिरी समय में हुए इस अमेरिकी ड्रोन हमले में 10 आम नागरिक मारे गए थे।

यूएस सेंट्रल कमान के खिलाफ सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम वाद के जरिए ये फुटेज प्राप्त करने के बाद इसे अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया। 29 अगस्त के ड्रोन हमले के ये वीडियो फुटेज पहली बार सार्वजनिक रूप से जारी किए गए हैं, जिसका शुरू में पेंटागन ने बचाव किया था लेकिन बाद में इसे एक भारी भूल बताया था।

वीडियो में लगभग 25 मिनट की फुटेज हैं, जिसमें शामिल दो ड्रोन को 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एमक्यू-9 रीपर ड्रोन बताया है। फुटेज में हमले से पहले, हमले के दौरान और बाद में एक गली में एक कार पर हुए हमले के दृश्य नजर आ रहे हैं।

सेना ने कहा था कि उसे लगा कि उसने अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह के सहयोगी संगठन के एक आतंकवादी को मार गिराया, जो काबुल हवाई अड्डे के पास उस जगह पर बम विस्फोट कर सकता था जहां से लोगों का निकलना जारी था। इसके तीन दिन पहले हवाई अड्डे पर एक आत्मघाती बम विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों और 160 से अधिक अफगान नागरिकों की मौत हो गई थी।

सेना ने जब बाद में 29 अगस्त के ड्रोन हमले में अपनी भूल स्वीकार की, तो सेंट्रल कमान ने स्पष्ट किया कि कार चलाने वाले का आईएस समूह से कोई लेना-देना नहीं था। हमले में मारा गया व्यक्ति जमारी अहमदी था, जो अमेरिका स्थित सहायता संगठन, न्यूट्रिशन एंड एजुकेशन इंटरनेशनल के लिए काम करता था।

इलेक्ट्रिक वाहनों से सम्बंधित सभी जानकारी सिर्फ एक क्लिक पर

केजरीवाल सरकार ने किया ईवी वेब पोर्टल लॉन्च

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए आज दिल्ली सरकार ने एक समर्पित वन-स्टॉप वेबसाइट लॉन्च की। नई डिजाइन की गई ईवी वेबसाइट न केवल उपभोक्ताओं को बल्कि निर्माताओं, शिक्षाविदों और ईवी में रूचि रखने वाले सभी लोगों के लिए एक प्रमुख सूचना संसाधन के रूप में कार्य करेगी । इस वेबसाइट के माध्यम से, दिल्ली सरकार का लक्ष्य आम लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन से सम्बंधित सभी उपयोगी जानकारी प्रदान करना है, जिससे की लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना आसान हो जाये।

वेबसाइट को एक विशिष्ट आधुनिक वेबसाइट के रूप में विकसित किया गया है ताकि संभावित ईवी उपभोक्ता को सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की जा सके। इस वेबसाइट को काफी इंटरैक्टिव बनाया गया है। वेबसाइट की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं-

चार्जिंग स्टेशन एक्सप्लोरर

वेबसाइट पर उपभोक्ता शहर में वर्तमान में सक्रिय सभी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अब तक, दिल्ली में 170 स्थानों पर 377 चार्जिंग पॉइंट हैं। वेबसाइट निम्नलिखित सम्बंधित जानकारी प्रदान करती है-

ए) चार्जर का स्थान
बी) चार्जर की विशिष्टता/प्रकार
सी) चार्जिंग पॉइंट

दिल्ली में जिस तरह से चार्जिंग स्टेशन बढ़ रहे हैं, यह वेबसाइट रीयल-टाइम में उपयोगकर्ताओं को अपडेटेड जानकारी प्रदान करेगी।

ईवी कैलकुलेटर

यह उपभोक्ताओं को एक तर्कसंगत विकल्प चुनने और ईवी के दाम के बारे में सारी जानकारी उपलब्ध कराने में सक्षम है।

ईवी सर्च

यह पोर्टल खरीदारों को बिना किसी परेशानी के सभी पंजीकृत ईवी मॉडलों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा। ईवी सर्च फ़ंक्शन विज़िटर को उनके लिए उपलब्ध विभिन्न ईवी मॉडल वेरिएंट का पता लगाने में सक्षम बनाता है, जिन्हें उनकी कीमत, ब्रांड और रेंज के अनुसार फ़िल्टर किया जा सकता है।

रायसीना पहाड़ी पर आगामी बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए पूर्वाभ्यास के दौरान ऊंट पर चढ़कर सैनिक खड़े होते हैं, जिसमें भारत के सबसे महत्वपूर्ण मंत्रालय और नई दिल्ली में राष्ट्रपति का महल है। 29 जनवरी को प्रतिवर्ष आयोजित समारोह गणतंत्र दिवस उत्सव के अंत का प्रतीक है।

पूर्वी निगम ने किया स्वच्छ प्रौद्योगिकी चुनौती का आयोजन, कचरा मुक्त शहर बनाने के लिए सबसे बेहतर समाधान देने वाले प्रतिभागियों को दिया जाएगा पुरस्कार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने के प्रयास और स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से स्वच्छ प्रौद्योगिकी चुनौती का आयोजन किया गया। इस आयोजन का फोकस भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत और ÷मेक इन इंडिया÷ के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रौद्योगिकी संवर्धन, नवाचार और सामाजिक उद्यमों को प्रोत्साहित करना है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम की यह पहल स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में स्थानीय रूप से नवोन्मेषी, लागत प्रभावी समाधान और व्यावसायिक मॉडल बनाने और अपनाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह स्वच्छ प्रौद्योगिकी चुनौती कचरा मुक्त शहरों की परिकल्पना को साकार करने में मदद करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

इसके अंतर्गत पूर्वी निगम को ज़ीरो डंपिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पारदर्शिता, सामाजिक समावेश, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन आदि के क्षेत्रों में नये विचार एवं सुझाव प्राप्त हुए है। पूर्वी निगम द्वारा शुरू इस पहल में कचरा मुक्त शहर के लिए सुझाये सबसे बेहतर समाधान देने वाले प्रतिभागी को निगम द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से स्टार्ट-अप के लिए एक महान अवसर है क्योंकि पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर की स्टार्ट-अप चुनौती में एक प्रतिभागी के रूप में सीधे प्रवेश मिलेगा।

वजीराबाद में लूट का विरोध करने पर बस हेल्पर की हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद में लूट की कोशिश का विरोध करने के लिए मिनी बस के एक हेल्पर की उसके पूर्व सहकर्मी व एक अन्य व्यक्ति ने कथित रूप से हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दीपक बुधवार को वजीराबाद इलाके में उस बस में मृत पाया गया, जिसमें वह काम करता था।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान फैज-उल-रहमान (20) और मोहम्मद फराज (18) के रूप में हुई है और बृहस्पतिवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार लूट की कोशिश के दौरान दीपक पर पेपर कटर से हमला किया गया और उसके गले पर चोट आई, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। लूट के दौरान उसके पास से 250 रुपये मिले। पुलिस ने कहा कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं। उन्होंने कथित तौर पर मादक पदार्थ खरीदने के लिए दीपक को लूटने का प्रयास किया था। रहमान कंडक्टर के तौर पर दीपक के साथ काम करता था और एक महीने पहले उसने काम छोड़ दिया था जबकि फराज ठेके पर बढ़ई का काम करता है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने 'आप' नेता दुर्गेश पाठक को भेजा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा आज एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक को कानूनी नोटिस भेजा है जिसमें उन्होंने कहा है कि या तो मीडिया में उनके खिलाफ निराधार आरोप लगाने के लिए दुर्गेश पाठक माफी मांगें या कानूनी परिणामों का सामना करने के लिए तैयार रहें। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर एवं आदेश गुप्ता के वकील के. के. त्यागी भी पत्रकार वार्ता में उपस्थित थे।

श्री मल्होत्रा ने कहा कि गत कुछ महीनों में दिल्ली भाजपा ने जनता के बीच यह स्थापित किया है कि आम आदमी पार्टी के नेता दिल्ली जल बोर्ड एवं नई शराब नीति घोटालों में संलग्न है और इसी से उत्पन्न कुन्ठा के कारण आम आदमी पार्टी के नेता अब आदेश गुप्ता पर निजी आरोप लगा रहे हैं।

शक्तिसिंह गोहिल ने पत्रकारों को किया संबोधित

नई दिल्ली। शक्तिसिंह गोहिल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि नमस्कार साथियों, नए साल में सबके सामने पहला साक्षात्कार हो रहा है। आप सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आप स्वस्थ रहें, आपके परिवार के साथ खुशहाल रहें, यही मेरी शुभकामनाएं हैं।

आज मैं बहुत ही गंभीर विषय पर आप लोगों से बात करना चाहता हूं। कांग्रेस पार्टी ने देश के हित को दल के हित से हर वक्त ऊपर रखा है। राष्ट्र के हित के लिए हमने कभी पॉलिटिकल फायदे की कोशिश नहीं की है। चाहे राष्ट्र की सुरक्षा हो, चाहे हमारी बहादुर सेना हो, चाहे आतंकवाद के मसले हों। वो भाजपा के शासन में रघुनाथ मंदिर, पार्लियामेंट जैसी चीजों पर हमले हुए हों या आतंकवादी भाजपा की सरकार बाहर छोड़ने गई हो, हमने कभी इसके ऊपर राजनीति नहीं की। पाकिस्तान के दो टुकड़े हमारी सेना ने किए, उसके ऊपर भी हमने कभी बहादुर सेना को लेकर हमारी वोट बैंक पॉलिटिक्स नहीं की।

एक जिम्मेदार अपोजीशन पार्टी के नाते आज आपके सामने जिस गंभीर मसले की मैं बात करने जा रहा हूं, उससे पहले मैं ये जरुर कहूंगा कि चाहे हमारी राजनीति हो या राष्ट्र नीति हो, सालों पहले जो चाणक्य जी ने कहा, जिसको हम चाणक्य सूत्र या चाणक्य नीति कहते हैं, वो चीज सिर्फ अतीत ही नहीं है, आज भी रेलेवेंट है और उन्होंने उस वक्त पर कहा था कि जो भी शासक है, वो शासक बाहुबल से, वो शासक जज्बे से, वो शासक हिम्मत से मजबूत होना चाहिए और कितनी भी बहादुर बड़ी सेना हो, अगर ये शासक इन तीन चीजों में मजबूत नहीं है, तो वो राष्ट्र सुरक्षा के मामले में कमजोर होता है। चाणक्य जी ने ये भी कहा कि शासक का पहला धर्म है कि अपने राष्ट्र की जो भी सीमाएं हैं, अपने राष्ट्र की संपत्ति और अपनी सीमाएं उसकी सुरक्षा करना और अपने राष्ट्र के नागरिकों की पूरी तरह से सुरक्षा, वो किसी भी शासक का पहला धर्म होता है और अगर वो बाहुबल, मनोबल या जज्बे से कमजोर है, तो मजबूत सेना का धनी भी राष्ट्र ना अपनी सीमाएं सुरक्षित रख पाता है, ना अपने सिटीजन, अपने नागरिकों को सुरक्षित रख सकता है और ऐसे शासक को शासन में बने रहने का अधिकार नहीं है। अगर वो बने रहता है, तो राष्ट्र का उसमें नुकसान ही होता है। एक चाणक्य सूत्र, एक चाणक्य नीति जो आज के दिन में भी मैं मानता हूं, बहुत रेलेवेंट हैं।

हमारे राष्ट्र की सीमाएं सुरक्षित रहें, हमारी सीमा में कोई थोड़ा सा भी ना घुसे, ये देखने की जिम्मेदारी हम सभी की है। शासक है, उसकी सबसे पहले है। राहुल गांधी जी ने बहुत पहले आगाह किया कि देखो, ये चीन हमारी सरहद में आ रहा है, मोदी जी आप कुछ कीजिए। पर उस वक्त गंभीरता से वो बात को नहीं लिया गया। मैं जो बात आपके सामने रख रहा हूं, चलो भाई राहुल गांधी जी तो कांग्रेस के नेता हैं, उनकी बात तो मोदी जी मानते नहीं है, कोई अपोजिशन पार्टी कहती है संसद में, उसे बोलने नहीं दिया जाता है, उनकी बात आप मानते नहीं, पर आपका एक प्रदेश का अध्यक्ष, अरुणाचल प्रदेश का अध्यक्ष जो है, आपके आज की जो राष्ट्रीय कार्यकारिणी है, भाजपा में जिसको सबसे मजबूत डिसीजन मेकिंग कमेटी माना जाता है, उस कमेटी का जो सदस्य है और भाजपा का एक सीनियर मेंबर ऑफ पार्लियामेंट है, अरे, ओ मोदी जी, उसकी बात पर तो आप विश्वास करेंगे ही ना। मैं उस सांसद को, तपिर गाओ जी को बधाई देता हूं, क्योंकि मैं गुजरात से आता हूं, मैं जानता हूं कि अभी तक उनका ट्वीट जिंदा रहना, वो भी उनकी जितनी प्रशंसा करें, उतनी कम है, क्योंकि तुरंत आ गया होगा, डिलीट द ट्वीट। पर उन्होंने डिलीट नहीं किया है। इसलिए भी मैं इनको धन्यवाद देता हूं, आप सबके सामने स्क्रीन पर उन्हीं का ट्वीट हमने लगाया है, जिसमें उन्होंने लिखा है।

ये भाजपा के अरुणाचल के प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, सीनियर सांसद, वो कहते हैं कि अरुणाचल में हमारी सीमा के अंदर से एक 17 साल के लड़के को उठाकर चीन लेकर गया है। उसके साथ उनका दोस्त था, वो किसी तरह से अपनी जान बचाकर भाग कर निकल गया। ये भी कहा गया है कि 2018 में 3 से 4 किलोमीटर रोड़ हमारी टेरिटरी में चीन ने बना दिया है। ये कहने वाला कोई और नहीं है, मोदी जी ये भाजपा का सांसद है, मोदी जी ये अरुणाचल प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष है। मोदी जी ये राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य है। आप क्या अब इसकी भी अनदेखी करेंगे? अगर आप ये करते हैं तो जो चाणक्य जी ने कहा था कि जब बलवान सेना होते हुए भी देश का शासक जिसमें ना हिम्मत हो, ना जज्बा हो, वो राष्ट्र दिक्कत में आता है, उनके नागरिक, उनकी सीमाएं। यहाँ हमारे नागरिक को उठाकर ले जाते हैं, हमारी सीमा के अंदर रोड़ बनती है, वो घुस जाते हैं और आप इसके ऊपर चुप क्यों हैं? आपका ट्विटर तो कपालभाति की तरह बोलता है। आप भीड़ इकट्ठी नहीं कर पाते हैं, ऐसा माहौल आता है, तो आप हर रोज दो-तीन भाषण लाइव घंटों तक लोगों को सुनाते रहते हों, आइए ना चीन पर भी कुछ बोलिए।

मैं बड़ी गंभीरता के साथ कहना चाहता हूं और मेरे पत्रकार साथियों को भी कहता हूं कि आप इसे गंभीरता से लें।

दिल्ली सरकार बिना राशन कार्ड वालों को नहीं दे रही राशन: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि केजरीवाल सरकार की झूठी घोषणा के कारण उन 60 लाख लोगों के भूखों मरने की नौबत आ गई है जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैं। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद इन लोगों को मुफ्त राशन देने का ऐलान तो कर दिया लेकिन उन्हें राशन नहीं मिल रहा। कोरोना की इस तीसरी लहर की बंदिशों ने इन लोगों के लिए इतनी ज्यादा मुश्किलें खड़ी कर दी हैं कि वे पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं।

बिधूड़ी ने कहा कि भाजपा बार-बार यह कहती रही है कि इन 60 लाख लोगों को दिल्ली सरकार राशन उपलब्ध नहीं करा रही है और सिर्फ झूठे प्रचार के लिए यह जताने की कोशिश कर रही है कि वह गरीबों को राशन दे रही है। अब एक प्रतिष्ठित एनजीओ 'दिल्ली रोजी रोटी अधिकार अभियान' ने सर्वे करके सरकार के इस दावे की पोल खोल दी है। बिना राशन कार्ड वाले इन लोगों को राशन बांटने के लिए स्कूलों में केंद्र बनाए गए हैं लेकिन एनजीओ के लोग जब 62 स्कूलों में गए तो वहां या तो राशन केंद्र ही नहीं था या फिर केंद्र तो था लेकिन अनाज का एक दाना भी नहीं था। वहां से लोग खाली हाथ वापस लौट रहे थे। बिधूड़ी ने बताया कि इस एनजीओ की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा गया लेकिन उनके पास इन गरीब लोगों के लिए सोचने की फुर्सत नहीं है क्योंकि वह आजकल दिल्ली में नहीं बल्कि दूसरे राज्यों के दौरों पर ही रहते हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कोरोना के तीसरे काल में गरीबों और प्रवासी मजदूरों की मुश्किलें बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। केजरीवाल सरकार ने जिस तरह की बंदिशें लगाई हैं, उससे दिहाड़ी और प्रवासी मजदूरों का जीवन बहुत मुश्किल हो गया है।

दूसरी लहर के दौरान भी दिल्ली सरकार की अनदेखी के कारण हजारों मजदूर पलायन कर गए थे। तब सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट दोनों ने ही दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए थे कि इन लोगों के लिए राशन का इंतजाम करे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तब बड़े जोर-शोर से घोषणा की थी कि दिल्ली सरकार इन लोगों का मुफ्त राशन देगी लेकिन वह घोषणा पूरी तरह झूठी साबित हुई है।

कांग्रेस पार्टी ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट

दूसरी लिस्ट में भी 40% महिलाओं को टिकट **न्याय के लिए संघर्ष करने वाली आवाज़ों को फिर मिली प्रियंका गांधी की सूची में जगह**

नई दिल्ली।

वाल्मीकि समाज के अधिकारों के लिए लड़ने वाले सिकंदर वाल्मीकि जी को कांग्रेस ने आगरा कैंट सीट पर प्रत्याशी बनाया है। सिकंदर वाल्मीकि ने वाल्मीकि समाज पर भाजपा सरकार के अत्याचार के ख़िलाफ़ लगातार संघर्ष किया। वे जल निगम में सरकारी कर्मचारी थे लेकिन अपने समाज के अधिकारों की लड़ाई के लिए उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। नौकरी करते समय जब उन्होंने हाथरस की बलात्कार पीड़िता के न्याय के लिए कैंडल मार्च निकाला था, तब उनको सस्पेंड कर दिया गया था। भाजपा सरकार की पुलिस द्वारा हिरासत में अरुण वाल्मीकि की हत्या के बाद, सिकंदर वाल्मीकि ने बढ़-चढ़कर न्याय की आवाज़ उठाई थी।

कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता स्वर्गीय राजीव त्यागी जी की पत्नी श्रीमती संगीता त्यागी जी को कांग्रेस पार्टी ने साहिबाबाद सीट से उम्मीदवार बनाया है। ग़ौरतलब है कि श्री राजीव त्यागी जी की एक लाइव टीवी डिबेट के दौरान हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई थी। श्रीमती संगीता त्यागी जी ने टीवी चैनलों में नफ़रत के तत्वों से भरी बहस को इसका ज़िम्मेदार बताया था और वे टीवी चैनलों में हेट स्पीच को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट भी गई थीं।

किसान आंदोलन में सक्रिय रही पूनम पंडित स्याना से कांग्रेस की उम्मीदवार बनाई गईं। पूनम पंडित जी ने किसान आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया और किसान आंदोलन की मुखर आवाज़ बनीं। पूनम जी ने महिलाओं के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया।

टुक्की मल खटिक को कांग्रेस पार्टी ने खुर्जा से उम्मीदवार बनाया है। टुक्की मल खटिक सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार आवाज़ उठाते रहे हैं। कोरोना के समय उन्होंने लगातार सड़क पर जा रहे श्रमिकों को भोजन- पानी उपलब्ध करवाया और हज़ारों जरूरतमंदों तक अनाज पहुँचाया। टुक्की मल खटिक कांग्रेस की युवा आवाज़ हैं और बुलन्दशहर के ज़िला अध्यक्ष भी रहे।

बड़ोत से राहुल कश्यप कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। राहुल कश्यप कहार समाज से आते हैं और अपने समाज के अधिकारों के लिए लगातार आवाज़ उठाते रहे हैं। उन्होंने ज़िला पंचायत चुनाव लड़कर क्षेत्र में अपनी आवाज़ की धाक स्थापित की थी।

दक्षिणी निगम ने स्लम व जे.जे बस्तियों में कूड़े के पृथक्करण हेतु चलाया गया डोर टू डोर अभियान

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम ने स्लम व जे.जे बस्तियों में कूड़े के पृथक्करण हेतु डोर टू डोर अभियान चला रहा है, इसी कड़ी में दक्षिणी जोन के आर.के.पुरम वार्ड स्थित एकता कैंप में आई.टी.सी वाउ के सहयोग से स्त्रोत पर ही गीले, सूखे व अन्य कूड़े को अलग करने हेतु अभियान चलाया गया। एकता कैंप के नागरिकों को समझाया गया किस प्रकार गीले-सूखे कूड़े को अलग-अलग किया जा सकता है।

इस अभियान के अंतर्गत 540 घरों का दौरा कर, लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त ÷पत्नी से कत्नी÷ कार्यक्रम के तहत दुकानदारों, मोबाइल विक्रेताओं और छोटे ठेले वालो को सिंगल यूज प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित व जागरूक किया गया। उन्हें जूट व कपड़े के थैले के उपयोग करने के लिये प्रोत्साहित किया गया साथ ही उन्हें कपड़े के थैले वितरित किये गये। बेहतर समन्वय व सहभागिता के लिये एकता कैंप, अंबेडकर बस्ती व सोनिया कैंप के परिवारों का एक वॉटसएप ग्रुप भी बनाया गया ताकि उन्हें समय समय पर स्वच्छता व कूड़े के पृथक्करण के बारे में उचित जानकारी दी जा सके।

नई दिल्ली के दरियागंज में एसडीएमसी अर्बन पब्लिक हेल्थ सेंटर में एक स्वास्थ्यकर्मी कोविड -19 परीक्षण के लिए एक बच्चे का स्वाब नमूना लेता है।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम घर-घर से स्क्रैप मैटेरियल का संग्रहण व निस्तारण करेगा

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में स्क्रैप मैटेरियल के संग्रहण, परिवहन और नियमानुसार उसके पुनर्चक्रण व निस्तारण के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने अहम कदम उठाया है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने अपने क्षेत्र में स्क्रैप मैटेरियल को घर-घर से जमा करने और उसे वैज्ञानिक पद्धति से निस्तारित करने के लिए एक एजेंसी को अनुबंधित किया है।

इस पहल के तहत, पूर्वी दिल्ली क्षेत्र के आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक क्षेत्रों व संस्थागत क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। इस पहल से ना केवल स्क्रैप मैटेरियल से पैदा होने वाले कचरा प्रदूषण को कम किया जा सकेगा बल्कि निगम को निश्चित रॉयल्टी भी मिलेगी।

पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के साथ-साथ घरेलू क्षेत्र से भी बड़ी मात्रा में स्क्रैप मैटेरियल उत्सर्जित हो रहा है और इसका निस्तारण भी वैज्ञानिक पद्धति से नहीं हो रहा है जिससे पर्यावरण की हानि हो रही है।

केजरीवाल ने मुआवजा देने के अपने वादे को पूरा नहीं किया: डा. नरेश कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डा. नरेश कुमार ने कहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्रीअरविंद केजरीवाल सिर्फ लोगों को झूठे वादों का झांसा देते हैं और कभी भी इन्हें पूरा नहीं करते हैं।

डा.कुमार ने यहां अपने गावं हिरनाकूदना में अपने आवास पर आयोजित एक पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों से वादे कर मुकरना श्री केजरीवाल की पुरानी आदत रही है और इसी वजह से लोग उन्हें घोषणा मुख्यमंत्री कहने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष सितंबर में हुई जोरदार बारिश से दिल्ली देहात के अनेक गांवों में पानी भरने से हजारों एकड़ क्षेत्र में खड़ी फसलें तबाह हो गई थी और उस समय श्री केजरीवाल ने कहा था कि फसल खराबा से पीड़ित किसानों को जल्दी मुआवजा दिया जाएगा । लेकिन अब तो चार माह होने का समय आ गया है और उन किसानों को एक भी रूपया नहीं मिला है। उनकी कथनी और करनी मे बहुत अंतर है और वह बयानबाजी तथा जुमलेबाजी से लोगों को ठग रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पंजाब उत्तराखंड और गोवा में जाकर लोगों से इसी तरह के वादे करते फिर रहे हैं!

डा.कुमार ने कहा कि उस दौरान खेतों में जमा पानी से जमीन की गुणवत्ता प्रभावित हुई और इस ठहरे पानी से लोगों को आंत्रशोथ, मलेरिया, डेंगु , पीलिया और अन्य जलजनित बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस पंचायत में मौजूद लोगों ने एक स्वर से कहा कि अगर श्री केजरीवाल ने मुआवजा देने के अपने वादे को पूरा नहीं किया तो आगामी दिल्ली नगर निगम चुनावों में श्री केजरीवाल, उनके मंत्रियों और पार्टी नेताओं को गांव में नहीं घुसने दिया जाएगा और उनका सार्वजनिक तौर पर बहिष्कार किया जाएगा। इस पंचायत में मास्टर रामफल,चौधरी चांदराम, चौधरी उम्मेद सिंह, चौधरी रमेश सिंह और अन्य गणमान्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

जागरूक

बड़े उद्योग भी देश की बेरोजगारी की समस्या को दूर नहीं कर पा रहे हैं। देश के लगभग 80 फीसदी घरों में नियमित आय का कोई साधन नहीं है। संगठित उपक्रमों में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा हैं और असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्योग सरकारी उपेक्षा के शिकार हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल 81 लाख रोजगारों की जरूरत है।

युवाओं में कौशल और तकनीकी गुणवत्ता की कोई कमी नहीं है, सच यह है कि रोजगार के अवसरों की कमी है

दीपक गिरकर

हमारे देश में इस समय बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर पहुंच गई है। दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई, जबकि वर्ष 2018-19 में यह दर 6.3 प्रतिशत रही थी और 2017-18 में यह 4.7 प्रतिशत दर्ज की गई थी। दिसंबर 2021 में रोजगार में लगे लोगों की संख्या 40.6 करोड़ थी। यह 2019-20 की संख्या से 29 लाख कम थी। रोजगार में कमी का कुछ खास क्षेत्रों पर अधिक असर देखा गया। सूचना प्रौद्योगिकी और अध्यापन के क्षेत्र में लगे रोजगार कम हुए हैं। सबसे अधिक कमी वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या में आई थी। इस क्षेत्र में 95 लाख नौकरियां चली गई थीं। औद्योगिक क्षेत्र में 10 लाख नौकरियां चली गईं। एक वर्ष में विनिर्माण क्षेत्र में 98 लाख, शिक्षा क्षेत्र में 40 लाख, सेवा क्षेत्र में 18 लाख, होटल एवं पर्यटन क्षेत्र में 50 लाख लोगों की नौकरियां चली गईं।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट के मुताबिक 2020 और 2021 में अब तक देश में लाखों लोगों की नौकरियां जा चुकी हैं। पिछले कुछ सालों से एक ओर लोगों को रोजगार मिलने की संख्या में काफी गिरावट आई है और दूसरी ओर कई लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। युवाओं को नौकरियाँ ढूंढ़ने पर भी नहीं मिल रही हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक़ देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। बड़े उद्योग भी देश की बेरोजगारी की समस्या को दूर नहीं कर पा रहे हैं। देश के लगभग 80 फीसदी घरों में नियमित आय का कोई साधन नहीं है। संगठित उपक्रमों में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा हैं और असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्योग सरकारी उपेक्षा के शिकार हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल 81 लाख रोजगारों की जरूरत है।

तेजी से बदलते विश्व आर्थिक परिवेश में जहाँ उद्योग 4.00 भारत तथा पूरे विश्व में एक लोकप्रिय शब्द बन चुका है। हम चौथी औद्योगिक क्रान्ति से गुजर रहे हैं, जहां रोबोटिक्स, संवर्धित वास्तविकता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स आदि गतिविधियां महत्वपूर्ण और निर्णायक हो रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में हमारे देश को रोजगार सृजन की चुनौती से सामना करना पड़ रहा है। डिजिटल होती दुनिया में रोजगार का स्वरूप बदल रहा है जिसमें फ्रीलान्स कार्य एक निश्चित अवधि तक लोगों को मिल रहा है, इसे गिग इकोनॉमी का

नाम दिया गया है। गिग इकोनॉमी अनौपचारिक श्रम क्षेत्र का ही विस्तार है जिसमें श्रमिकों, काम करने वाले लोगों को बहुत कम भुगतान होता है और सामाजिक सुरक्षा, बीमा इत्यादि सुविधा भी नहीं है। गिग इकोनॉमी में कंपनी द्वारा तय समय में प्रोजेक्ट पूरा करने के एवज में भुगतान किया जाता है। इस अर्थव्यवस्था में कंपनी का काम करने वाला व्यक्ति कंपनी का कर्मचारी / मुलाजिम नहीं होता है। गिग इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए देश में कुछ स्टार्टअप और कुछ कंपनियां कार्य करने लग गई हैं। स्विगी, जोमैटो, उबर और ओला जैसी कंपनियां गिग इकोनॉमी के तहत ही काम कर रही हैं और ड्राइवर, डिलीवरी बॉय को मामूली भुगतान कर रही हैं तथा रोजगार सुरक्षा भी प्रदान नहीं कर रही हैं। मोदी सरकार ने बड़े जोर-शोर से स्टार्टअप इंडिया शुरू किया लेकिन स्टार्टअप इंडिया का लाभ सिर्फ 18 फीसदी स्टार्टअप्स को ही मिल रहा है। नौकरशाही की वजह से नए उद्यमी परेशान हैं। मेक इन इंडिया योजना से भी रोजगार सृजन में बढ़ोतरी नहीं हुई है। एक नया कारोबार या नया स्टार्टअप शुरू करने के मामले में आवश्यक परमिटों एवं निबंधनों की एक लम्बी-चौड़ी सूची से पाला पड़ता है और उस सूची का अनुपालन एक जटिल और बोझिल प्रक्रिया है। एनआईपी की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व में इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में 70वें स्थान पर है जो चिंताजनक है।

रोजगार में कमी से अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास दर और रोजगार दर में हमेशा असंतुलन रहा है। आर्थिक सुधार की विसंगतियों और सरकारी मशीनरी के लुंज-पुंज रवैये का परिणाम है बेरोजगारी। विश्वभर में भारत में सबसे अधिक युवा जनसंख्या है। देश में चुनाव जीतने का मूलमंत्र है युवाओं का दिल जीतना और युवाओं का दिल उन्हें रोजगार प्रदान करके ही जीता जा सकता है। हमारे देश में अभी तक सेवा क्षेत्र पर ही अधिक जोर दिया जाता रहा है। बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए सरकार को कुछ ठोस कदम उठाने होंगे- ऐसी नीतियों पर काम करना होगा जिसमें श्रम सघन उत्पादन क्षेत्र को बढ़ावा मिल सके। बुनियादी ढांचा विकास, एमएसएमई, छोटे उद्योग, श्रम गहन इकाइयों, कुटीर उद्योग, हथकरघा उद्योग, स्टार्टअप, विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज), पर्यटन उद्योग, पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगीकरण को बढ़ावा देकर रोजगार में वृद्धि की जा सकती है।

यह कहना सरासर गलत है कि बेरोजगार युवाओं में कौशल और तकनीकी गुणवत्ता की कमी है। ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक व प्राकृतिक संसाधनों के अनुसार उद्योगों की स्थापना करवा कर ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन किया जा सकता है। कुटीर उद्योग, हथकरघा उद्योग और छोटे उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। सरकार की नीतियां बड़ी कंपनियों पर ही केंद्रित हैं। बेरोजगारी का एकमात्र निदान स्वरोजगार नहीं है। सरकार अपने सभी विभागों व उपक्रमों में रिक्त पड़े पदों को क्यों नहीं भर रही है? केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों में लाखों पद रिक्त पड़े हैं। देश में जनसंख्या के हिसाब से डॉक्टर्स की संख्या बहुत कम है। देश में नए मेडिकल कॉलेज खोले जाने चाहिए और वर्तमान में जो मेडिकल कॉलेज हैं उनमें सीटे बढ़ाई जानी चाहिए।

सरकार को अधिक रोजगार जुटाने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। विभिन्न ट्रेड यूनियनों और श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एमएसएमई के माध्यम से रोजगार सृजन के पुनरुद्धार के लिए एक अलग कोष की मांग की है। सरकार को विनिर्माण क्षेत्र के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर जोर देना होगा। केंद्र सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत परियोजनाओं को लाना होगा। इससे नए रोजगार सृजित होंगे। सिर्फ निजी निवेश को बढ़ावा देने से ख़ास नतीजे नहीं दिखेंगे, इसके लिए निजी क्षेत्र के साथ सार्वजनिक क्षेत्र को भी बढ़ावा देना होगा। विदेशी बाजारों पर भी फोकस करके रोजगार सृजन में बढ़ोतरी की जा सकती है। अब विकास की योजनाएं बनाते समय देश के बेरोजगार युवाओं के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और योजनाओं का ज़मीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए, तभी हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और रोजगार सृजन की चुनौती से हम निपट सकेंगे।

सम्पादकीय

चुनाव में पक्ष -विपक्ष के बीच बेहतर टक्कर!

डॉ. भरत मिश्र प्राची

देश में पंजाब, मणिपुर, गोवा, उतराखंड एवं उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव 7 चरणों में होने की घोशणा हो चुकी है। जहां उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधान सभा सीटों पर 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी,ह्व 27 फरवरी , 3 मार्च एवं 7 मार्च को तथा मणिपुर राज्य की 60 सीटों के लिये 27 फरवरी , 3 मार्च को , उतराखंड की 70, पंजाब की 117 एवं गोवा की 40 सीटों के लिये 14 फरवरी को चुनाव होने की प्रक्रिया चुनाव आयोग ने शुरू कर दी है। 10 मार्च को इन राज्यों के चुनाव परिणाम भी आने की घोशणा चुनाव आयोग ने की है। इसी के साथ इन राज्यों में राजनीतिक दलों की राजनीतिक गतिविधियां गति पकड़ने लगी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कोविड काल को देखते हुये चुनाव रैली, पद यात्रा, रथ यात्रा, साइकिल यात्रा, सड़क,नुक्कड़ आदि पर रैली आयोजन करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने एवं चुनाव उपरान्त विजय जुलूस पर पाबंदी लगा दी है। इसपर समीक्षा किये जाने की बात करते हुये हर एक से चुनाव दौरान कोरोना गाइड पालना के साथ डिजिटल चुनाव प्रचार करने की सलाह दी।

पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव की तिथि चुनाव आयोग द्वारा घोशित होते ही देश के सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो चले है। चुनाव पूर्व आया राम गया राम की भी राजनीति शुरू हो गई है। इस चुनाव में आप पार्टी विशेष रूप से गोवा, पंजाब, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश राज्य के चुनाव में अपनी राजनीतिक पैठ बनाने में ज्यादा सक्रिय दिखाई दे रही है जो सत्ता बनाने की भूमिका में कहीं न कहीं विशेष रूप से पंजाब एवं उत्तराखंड राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती है। इन पांच राज्यों में से वर्तमान में पंजाब में कांग्रेस एवं शेष चार राज्यों में भाजपा का वर्चस्व कायम है पर इस चुनाव में सत्ता परिवर्तन होने की संभावनाएं नजर आ रही है। विशेष रूप से पंजाब , उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में चुनाव पूर्व हुये किसान आंदोलन में शामिल केन्द्र सरकार की नई किसान नीतियों से नाराज किसान केन्द्र की सत्ता पक्ष से जुड़े राजनीतिक दल को इन राज्यों में नुकसान पहुंचा सकते है जिससे उत्तरप्रदेश में भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। पंजाब एवं उत्तराखंड राज्य के मुख्य मंत्री बदले जाने से सत्ता पक्ष को चुनाव में नुकसान हो सकता है।

इस बार के विधान सभा चुनाव में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष आर - पार की लड़ाई में नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश में सपा एवं गठबंधन पूरे जोर शोर से सत्ता पक्ष भाजपा को जड़ से उखाड़ फेकने की तैयारी में नजर आ रहा है। पर फिलहाल उत्ता प्रदेश से भाजपा को सत्ता से बेदखल करना इतना आसान नहीं है। केन्द्र की नई कृशि नीति के चलते नाराज किसान का समूह भाजपा को नुकसान पहुंचा सकता है तो विपक्ष खेमे में एकीकरण न होने एवं एआईआईएम के मुस्लीम तुश्टीकरण की नीति से भाजपा को लाभ मिलने के आसार है। उत्तराखड में कांग्रेस एवं भाजपा आमने सामने है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस भाजपा को पहले से बेहतर टक्कर देने की स्थिति में नजर आ रही है।

जातीय नेतृत्व के कुचक्र में दलित

इस नाते मायावती के इस करिश्मे को मानना पड़ेगा कि वे उत्तर-प्रदेश में अपना 22 प्रतिशत वोट 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में स्थिर रखने में सफल रही हैं। हालांकि 2014 में बसपा एक भी सीट नहीं जीत पाई। 2017 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें लगभग इतना ही वोट मिला था। इसी वोट की माया रही कि अगड़े और पिछड़े थैलियां लेकर उनसे बसपा का टिकट लेने की कतार में लगे रहे। किंतु अब यह मिथक टूटने को आतुर दिखाई दे रहा है। इस एक जातीय कुचक्र के टूटने भर से अन्य राजनीतिक दलों का जातिगत कुचक्र भी टूटेगा, ऐसा फिलहाल नहीं लग रहा है। गोया, जातीय गठबंधन के कुचक्र बने रहेंगे।

प्रमोद भार्गव

राजनेताओं और दलों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर और कथित दलित उत्थान की राजनीति को अपने राजनीतिक हितों का साधन और साध्य बना लेने से ज्यादा कुछ नहीं समझा। अतएव जो दलित एक समय मायावती की बसपा के सेवक थे, वे भाजपा और अब समाजवादी पार्टी के दर पर नतमस्तक हो रहे हैं।

इनमें ज्यादातर अति पिछड़े और दलित हैं। कमोबेश इसे ही स्वार्थपरक अवसरवादी राजनीति कहते हैं। साफ है, इनके लिए अंबेडकरवादी दर्शन का आदर्श स्व हित से आगे नहीं बढ़ पाया। मायावती ने भी अंबेडकर के जातिविहीन सामाजिक दर्शन को पूंजी और सामंती वैभव के भोग का पर्याय मान लिया। भविष्य में निर्मित होने वाली इन स्थितियों को शायद अंबेडकर ने 1956 में ही भांप लिया था। गोया, उन्होंने आगरा में भावुक होते हुए कहा था कि उन्हें सबसे ज्यादा उम्मीद दलितों में पढ़े-लिखे बौद्धिक वर्ग से थी कि वे समाज को दिशा देंगे लेकिन इस तबके ने हताश ही किया है।

दरअसल अंबेडकर का अंतिम लक्ष्य जाति विहीन समाज की स्थापना थी। जाति टूटती तो स्वाभाविक रूप से समरसता व्याप्त होने लग जाती। लेकिन देश की राजनीति का यह दुर्भाग्यपूर्ण पहलू रहा कि नेता सवर्ण रहे हों या अवर्ण जाति, वर्ग भेद को ही आजादी के समय से सत्तारूढ़ होने का मुख्य हथियार बनाते रहे हैं।

आज मायावती को सबसे ज्यादा किसी तात्विक मोह ने कमजोर किया है तो वह है, धन और सत्ता लोलुपता। जबकि अंबेडकर इन आकर्षणों से सर्वथा निर्लिप्त थे। भारत ऐसा भुक्तभोगी देश रहा है कि जब वह सोने की चिड़िया कहा जाता था, तब उसे मुगलों ने लूटा और फिर अंग्रेजों ने। अंग्रेजों ने तो भारत के सामंतों और जमींदारों को इतनी निर्ममता से लूटा कि इंग्लैंड के औद्योगिक विकास की नींव ही भारत की धन-संपदा के बूते रखी गई। यहां के किसान और शिल्पकारों से खेती और वस्तु निर्माण की तकनीकें हथियाईं।

भारत के भौगोलिक विस्तार की सीमाएं सिमट जाने का कारण भी पूंजी का निजीकरण और सामंतों की भोग-विलासी जीवन शैली रही है। दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में भी प्रशासनिक व्यवस्था में यही दुर्गुण समाविष्ट होकर देश को दीमक की तरह चाट रहा है। दलित नेता व अधिकारी भी अधिकार संपन्न होने के बाद उन्हीं कमजोरियों की गिरफ्त में आते गए। इसीलिए अगड़े-पिछड़ों का खेल और दल-बदल की महिमा मतदाताओं के ध्रुवीकरण की कुटिल मंशा से आगे नहीं बढ़ पाई। यही वजह रही कि उत्तर-प्रदेश जैसे जटिल, धार्मिक व सामाजिक संरचना वाले राज्य में चार बार मुख्यमंत्री रह चुकीं मायावती आज चुनावी सरगर्मियों के बीच मौन व उदासीन हैं। यह उनकी राजनीतिक निष्क्रियता की घोषणा तो है ही, कालांतर में नेपथ्य में चले जाने का संकेत भी है। वरना, एक समय ऐसा भी था, जब इस दलित नेत्री से बसपा को अखिल भारतीय बना देने की उम्मीद की जा रही थी और दलितों में यह उम्मीद मायावती ने ही

> देशभर में दलितों की आबादी 16 प्रतिशत है। पंजाब में 30, पश्चिम बंगाल में 23, उत्तर-प्रदेश में 21 और महाराष्ट्र में 10.5 फीसदी दलित आबादी है। चूंकि अंबेडकर महाराष्ट्र से थे, इसलिए ऐसा माना जाता है कि सबसे ज्यादा दलित चेतना महाराष्ट्र में है। दलित आंदोलनों की भूमि भी महाराष्ट्र रहा है। डॉ. अंबेडकर ने यहीं रिपब्लिकन ऑफ इंडिया (आरपीआई) राजनीतिक दल का गठन किया था। लेकिन इस पार्टी के अब तक करीब 50 विभाजन हो चुके हैं। इसके कर्ताधर्ता अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर हैं।

जगाई थी कि संगठन वह शक्ति है, जो प्रजा को राजा बना सकती है।

बहुजन समाज पार्टी का वजूद खड़ा करने से पहले कांशीराम ने लंबे समय तक डीएस-4 के माध्यम से दलित हितों के लिए संघर्ष किया था। इसी डीएस-4 का सांगठनिक ढांचा स्थापित करते समय बसपा की बुनियाद पड़ी और समूचे हिंदी क्षेत्र में बसपा के विस्तार की प्रक्रिया आरंभ हुई। कांशीराम के वैचारिक दर्शन में दलित और वंचितों को करिश्माई अंदाज में लुभाने का चुंबकीय तेज था। फलस्वरूप बसपा एक मजबूत दलित संगठन के रूप में स्थापित हुई और उत्तर-प्रदेश में चार बार सरकार बनाई। अन्य प्रदेशों में बसपा के विधायक दल-बदल के खेल में भागीदार बनकर सरकार बनाने में सहायक बने। किसी दल का स्पष्ट बहुमत नहीं होने पर समर्थन का टेका लगाने का काम भी किया। केंद्र में मायावती यही भूमिका अभिनीत करके राज्यसभा सांसद बनती रहीं। इन साधनों के साध्य के लिए मायावती ने सामाजिक अभियांत्रिकी (सोशल इंजीनियरिंग) जैसे बेमेल प्रयोगों का भी सहारा लिया। इन प्रयोगों का दायित्व किसी दलित को सौंपने की बजाय, सनातनी ब्राह्मण सतीष मिश्रा के सुपुर्द किए। मसलन सत्ता प्राप्ति के लिए जातीय समीकरण बिठाने में मायावती पीछे नहीं रहीं।

अंबेडकर ने जाति विहीन समाज की पुरजोर पैरवी की थी। लेकिन कर्मचारी राजनीति के माध्यम से जातिगत संगठन बसपा की पृष्ठभूमि तैयार करने वाले कांशीराम ने अंबेडकर के दर्शन को दरकिनार कर कहा कि %अपनी-अपनी जातियों को मजबूत करो।% यह नारा न केवल बसपा के लिए प्रेरणास्रोत बना बल्कि मंडलवादी मुलायम सिंह, लालू प्रसाद, शरद यादव और नीतीश कुमार ने भी इसे अपना-अपना, परचम फहराने के लिए सिद्ध मंत्र मान लिया। गोया, इन नेताओं ने अंबेडकर द्वारा स्थापित जाति तोड़ो आंदोलन को जाति सुरक्षा आंदोलन में बदल दिया। इसीलिए मंडल आयोग की पिछड़ी जातियों को आरक्षण की सिफारिशें मान लेने के बाद अब जातिगत जनगणना की बात पुरजोरी से उठाई जा रही है, जिससे संख्या बल के आधार पर जातिगत आरक्षण व्यवस्था सरकारी नौकरियों के साथ-साथ विधायिका में भी की जा सके।

सतीश मिश्रा के बसपा में आगमन के बाद सामाजिक अभियांत्रिकी का बेमेल तड़के का सिलसिला तो शुरू हुआ ही, जिन लोगों को मायावती मनुवादी कहकर ललकारा करती थीं, उन्हीं मनुवादियों के कर्मकांड बसपा के मंचों पर सत्ता प्राप्ति के लिए अनिवार्य अनुष्ठान बन गए। चुनावी साभाओं में हवन कुंड बनाए जाने लगे और वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ भगवान परशुराम के सोने-चांदी के फरसे प्रतीक के रूप में मायावती को भेंट किए जाने लगे। %तिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार% का जो नारा ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य को बतौर गाली दिया जाता था, %वह हाथी नहीं गणेश हैं, ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं% के सनातनी संस्कार में बदल गया।

मायावती ब्राह्मणों की लाचारी दूर करने के बहाने कहने लगीं, %ब्राह्मण हशिए पर चले गए हैं, इसलिए उनकी खोई गरिमा लौटाने का काम हम करेंगे।% इस गौरव के पुनर्वास के लिए मायावती ने 2017 में उत्तर-प्रदेश के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री रहते हुए विधानसभा से आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव का टोटका रचकर भारत सरकार को कानून बनाने के लिए भेजा। स्वार्थपूर्ति के लिए किए जाने वाले इन आडंबरों से पता चलता है कि हमारे निर्वाचित जनप्रतिनिधि जिस संविधान के प्रति निष्ठा व अक्षरशः पालन की शपथ लेते हैं, उसे पढ़ने-समझने की आवश्यकता ही अनुभव नहीं करते।

यहीं नहीं वे जिस दल के सदस्य होते हैं और उस दल के जिस नेता के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर, उनके गुणगान करने में थकते नहीं हैं, अमूमन उसी व्यक्ति की विचार-प्रक्रिया को पलीता लगाते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में अंबेडकर की चिंता ठीक थी कि %मेरी चिंता इस बात के अहसास से गहरी हो जाती है कि जातिवाद और पंथवाद के रूप में मौजूद भारत की बुराइयों व कुरीतियों के कारण विभिन्न राजनीतिक दल अस्तित्व में आ सकते हैं।

किस करवट बैठेगा सत्ता का ऊंट

पी. के. खुराना

ड्डपांच राज्यों में विधानसभा के लिए जनप्रतिनिधियों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा करनी शुरू कर दी है। फरवरी से मतदान शुरू हो जाएगा और मार्च में परिणाम भी आ जाएंगे। कोरोना के कारण शोर जरा कम है, पर सोशल मीडिया तथा ह्वाट्सऐप के माध्यम से लोगों तक पहुंचने की प्रक्रिया जारी है। यह चुनाव उस हाल में हो रहा है जब देश में विपक्ष अजब रूप से बिखरा हुआ है। ममता बनर्जी कांग्रेस को कोस रही हैं और कांग्रेस का पर्याय बनने की कोशिश में हैं, पर वे मात्र पश्चिम बंगाल तक सीमित हैं। बंगाली समाज से बाहर उनका कोई प्रभाव नहीं है, इसलिए उनसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे सत्तारूढ़ दल का विकल्प बन सकें। हालांकि यह भी सच है कि मोदी-शाह का मुकाबला करने में वे हमेशा पूरी आक्रामकता से अगुवाई करती रही हैं। इस मामले में केजरीवाल उनसे कुछ ज्यादा भाग्यशाली हैं।

एक, वे ममता से ही नहीं, देश भर में पहचाने जाने वाले शेष विपक्षी नेताओं से उम्र में काफी छोटे हैं। आज नहीं तो कल वे विपक्ष के बड़े नेता बन सकते हैं। केजरीवाल को यह भी लाभ मिला है कि उनकी पार्टी पंजाब में मजबूत है और धीरे-धीरे दूसरे कुछ प्रदेशों में अपने पांव फैला रही है। पहली बार चुनाव लड़ने के बावजूद बिल्कुल नौसिखिया उम्मीदवारों की टोली के साथ चंडीगढ़ नगर निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी सबसे बड़ा दल बनकर उभरी, वह भी तब जब केंद्र में मोदी की मजबूत सरकार है। चंडीगढ़ केंद्र प्रशासित शहर है और यहां भाजपा का तगड़ा नेटवर्क है। निगम चुनावों में भाजपा के कई दिग्गज धराशायी हुए हैं। केजरीवाल के कार्यकर्ता संघ की ही तरह जमीन पर काम कर रहे हैं और आम आदमी पार्टी दिल्ली माडल की शिक्षा और मोहल्ला क्लीनिक का सुनियोजित प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं, केजरीवाल यह बताने में भी नहीं चूकते कि वे जनता को जो मुफ्त की रेवड़ियां बांट रहे हैं वह इसलिए संभव हो पा रहा है कि उन्होंने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है, बिचौलियों की भूमिका खत्म की है और इस तरह जो पैसा बच रहा है उसे वे जनकल्याण पर खर्च कर रहे हैं।

वे बड़े गर्व से कहते हैं कि मुफ्त की इन सारी सुविधाओं के बावजूद दिल्ली सरकार घाटे में नहीं है, तो यह एक बड़ी उपलब्धि है। इस पूरे युद्ध में कांग्रेस कहीं दिखाई नहीं देती। इस सबके बावजूद कांग्रेस की महत्ता बनी हुई है क्योंकि लोकसभा में विपक्ष के नेता का तमगा हासिल करने योग्य भी सीटें न ला पाने के बावजूद कांग्रेस अकेला राष्ट्रीय राजनीतिक दल है जो लगभग सभी राज्यों में मौजूद है। यही नहीं, चुनाव में बेतरह मुंह की खाने के बावजूद बुरी से बुरी स्थिति में भी कांग्रेस को मिलने वाले वोटों का प्रतिशत बीस से नीचे नहीं गिरा है। बीस प्रतिशत वोटों की यह खूबी ही कांग्रेस की थाती है और यही कारण है

कि भाजपा छोड़कर जाने वाले नेता आज भी सबसे पहले कांग्रेस की ओर ही भागते हैं। यही कारण है कि भाजपा से नाराज़ राजनीतिज्ञ चाहते हैं कि कांग्रेस मजबूत हो। सच तो यह है कि खुद ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल भी ऐसे राजनीतिज्ञों में शामिल हैं। आम आदमी पार्टी को छोड़ दें तो विपक्षी दलों के साथ जो सबसे बड़ी समस्या है, वह यह है कि उनके पास कोई नैरेटिव नहीं है, मुफ्त की सुविधाएं देने के अलावा कोई सुविचारित और सिस्टेमैटिक रणनीति नहीं है, नीतिविहीनता की यह स्थिति विपक्ष की सबसे बड़ी कमज़ोरी है और भाजपा को इसका लाभ मिल ही रहा है, मिलता भी रहेगा। राम मंदिर और हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा तो भाजपा के तरकश में है ही, उसने बड़ी चालाकी से अपने नैरेटिव में विकास का मुद्दा फिर से शामिल कर लिया है और भाजपा का आईटी सेल लगातार ऐसे संदेश प्रसारित कर रहा है जो हिंदू जनमानस को प्रभावित करते हैं। सोशल मीडिया पर भाजपा का वर्चस्व है।

उसके पास कर्त्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज है और भाजपा के विभिन्न संदेशों को आगे बढ़ाने वाले लोगों का बड़ा प्रतिशत ऐसे लोगों का है जो भाजपा के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं। आम आदमी पार्टी के शुरुआती दिनों में केजरीवाल का प्रभामंडल भी कुछ ऐसा ही था, उनकी प्रेरणा भी कुछ ऐसी ही थी कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बड़े पदों पर आसीन लोगों ने भी अपनी नौकरियां छोड़कर आम आदमी पार्टी का प्रचार किया था। भाजपा को विदेशों से मिलने वाला चंदा और समर्थन भी भाजपा की बड़ी शक्ति है। यही समर्थन जब किसी विपक्षी दल को मिलता है तो खालिस्तानियों और आतंकवादियों का डर दिखाकर भाजपा उसे देशद्रोह के रूप में पेश करती है। इस सबके बावजूद यह भी एक सच है कि भाजपा नेतृत्व कोई जोखिम लेने की स्थिति में नहीं है। पिछले चुनावों में चारों खाने चित्त हो जाने के बावजूद उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी दोबारा मजबूती की ओर कदम बढ़ा रही है। अभी यह कहना तो मुश्किल है कि अखिलेश की नई घोषणाएं उन्हें कितनी सीटें दिलवा पाएंगी, पर यह तो स्पष्ट है ही कि उत्तर प्रदेश में एक बार फिर धर्म के नाम के साथ जाति की महत्ता रहेगी और गैर-हिंदू वोट संगठित होकर समाजवादी खेमे को मजबूत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जातियों का मतदाता भी भाजपा से छिटक रहा है।

विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों से खौफ खाई हुई मायावती इस समय लगभग अप्रासंगिक हैं। मायावती की इस कमज़ोरी का लाभ भी अखिलेश यादव को मिल रहा है। सन् 1985 के लोकसभा चुनावों में जब राजीव गांधी ने अप्रत्याशित रूप से कांग्रेस की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी तो भाजपा कहीं भी दिखाई नहीं देती थी। एनटी रामाराव की तेलुगू देशम पार्टी एक राज्य में ही सीमित होने के बावजूद सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन आज भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और मोदी के नेतृत्व में लंबे समय के बाद दो बार के लोकसभा चुनावों में एक ही पार्टी को पूर्ण बहुमत भी मिला है। आंध्र प्रदेश में एक बार हारने के बाद तेलुगू देशम पार्टी सत्ता से बाहर हुई तो कांग्रेस ने लंबे समय तक राज किया। अपने पिता की विरासत के चलते आंध्र प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को जब कांग्रेस ने भाव नहीं दिया तो चंद्रबाबू नायडू की लाटरी फिर लग गई और वे फिर से मुख्यमंत्री बने। अपने सारे अनुभव के बावजूद आम जनता से संपर्क के मामले में इस दौरान वे नौकरशाहों के चंगुल में रहे, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा और सत्ता जगन मोहन रेड्डी की झोली में आ गई। कहा नहीं जा सकता कि राजनीति में कब किसकी किस्मत पलट जाए, इसलिए यह समझना गलत नहीं है कि आज जो दल कमज़ोर स्थिति में नज़र आता है, कल वही फिर से सत्तासीन हो जाए। चुनावी बिगुल बज चुका है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

चोरों ने बंद पड़े मकान के ताले तोड़कर लाखों के जेवरात व नकदी उड़ाई, घटना से सनसनी

संवाददाता

चांदपुर। अपनी बीमार पत्नी को दवा दिलवाने गए एक व्यक्ति के बंद पड़े मकान के ताले तोड़कर चोर लाखो के सोने चांदी के जेवरात व नकदी चोरी करके लिए गए। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मकान स्वामी की ओर से घटना की पुलिस को तहरीर दी गई है। थाना क्षेत्र के फीना कालोनी निवासी मौ .राशिद मंगलवार को अपनी पत्नी को दवा दिलवाने के लिए धामपुर के निकट नया गांव गए थे। जहां से अधिक देर होने के कारण वह रात में धामपुर स्थित अपने एक रिश्तेदार के यहां रुक गए थे। इसी बीच उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर चोरों ने उनके मकान के ताले तोड़कर पूरा घर खंगाल डाला। चोर घर में रखी नकदी के साथ साथ सोने चांदी के जेवरात व इनवर्टर बैटरा तथा गैस सिलेण्डर चोरी करके ले गए। घटना का पता सुबह होने पर तब चला जब आसपास के तो बोले कमरों के टूटे हुए ताले व बिखरा हुआ सामान देख सूचना मकान स्वामी को दी। घर में चोरी होने की सूचना मिलते ही राशिद पद की सभ्यता मौके पर पहुंच गए ।उन्होंने बताया कि चोर घर में मकान निर्माण के लिए रखे 1.65 लाख की नकदी समेत लगभग तीन लाख का सामान चोरी करके ले गए। चोरी की इस वारदात से कॉलोनी में सनसनी फैल गई। मकान स्वामी की ओर से घटना की पुलिस को तहरीर दी गई है।

डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

स्योहारा। अपने पिता व बहन के साथ घर लौट रहे बाइक सवार को डंपर ने टक्कर मार दी। सड़क पर गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायल को निकट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। थाना क्षेत्र के ग्राम मकसूदपुर निवासी मौ. सानिब अपने पिता इलियास व बहन के साथ किसी काम से स्योहारा आया था। गुरुवार को जब वह तीनों बाइक पर सवार होकर घर वापस लौट रहे थे। इसी बीच सरकारी अस्पताल के पास सामने से आ रहे एक डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सानिब सड़क पर गिर पड़ा और उसके पैर पर ट्रक का पहिया चढ़ गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना मिलते ही एसआई अशोक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए जरा घायल को टिकट के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने युवक की गम्भीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाद आरोपी चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर थाने भेज दिया।

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी, दो पालियों में होगी परीक्षा

संवाददाता

बिजनौर। जिला मुख्यालय पर 23 जनवरी को होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा की जिला प्रशासन सभी तैयारियां पूरी कर ली है। दो पालियों में होने वाली परीक्षा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। डीएम उमेश मिश्रा ने स्पष्ट करते हुए कहा कि आगामी 23 जनवरी 2021 को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा को पूर्ण रूप से नकल विहीन व शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए दृढ़ संकल्प है। साथ ही परीक्षा आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जिला मुख्यालय पर प्राथमिक स्तर के परीक्षार्थियों के लिए 27 एवं उच्च प्राथमिक स्तर के लिए 20 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रथम पाली में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक प्राथमिक स्तर एवं द्वितीय पाली में अपराहन 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा संपन्न होगी। परीक्षा के लिए प्रशासन की ओर से सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर डॉ रंजन सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ,जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार के अलावा सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

दिवंगत सीआईटी शकील हैदर को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

नजीबाबाद। नजीबाबाद रेलवे जंक्शन पर तैनात सीआईटी शकील हैदर के आकस्मिक निधन पर नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी नरेंद्र कुमार पाल के प्रतिष्ठान पर आयोजित शोक सभा में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि दिवंगत सीआईटी शकील हैदर बेहद व्यवहार कुशल और मृदुभाषी थे। अपने इसी व्यवहार की वजह से वह अपने साथियों और युनियन सहित क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। आज के युवा उनके जीवन चरित्र से सीख ले सकते हैं। इस अवसर पर दिवंगत ?शकील हैदर की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस शोक सभा में विकास कश्यप (प्रदेश मंत्री) राष्ट्रीय कश्यप निषाद महासभा, असलम, सुरेंद्र कुमार शुक्ला, छतर सिंह चौहान, विरेंद्र पाल, मौ जाकिर, अनिल आदि मौजूद रहे।

बंद मकान से की गैस सिलेंडर की चोरी

संवाददाता

धामपुर। बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने नगर के मोहल्ला बकालान स्थित आर्य समाजी देवानंद आर्य के मकान के ताले तोड़कर एक घरेलू सिलेंडर चोरी कर ली। बताते हैं कि श्री आर्य अपने ससुर का उपचार कराने के लिए हॉस्पिटल में हैं। बुधवार की रात्रि किसी समय अज्ञात चोरों ने श्री आर्य के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और गैस सिलेंडर चोरी करने की घटना को अंजाम दिया। इस घटना की जानकारी आर्य समाज के हेतराम सिंह ने आर्य समाज से जुड़े अपने साथियों को दी, इसके बाद मकान स्वामी श्री आर्य को घटना की जानकारी दी गई। फिलहाल उक्त घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है।

पूर्व कांग्रेस नेत्री सपना रवि ने थामा एआईएमआईएम का दामन

संवाददाता

नगीना। कांग्रेस पार्टी से टिकट न मिलने से निराश सपना रवि ने अपने समर्थकों के साथ एआईएमआईएम पार्टी का दामन थाम लिया है। नगीना 18 सु. विधान सभा सीट से मोहल्ला लाल सराय लाईन पार निवासी सपना रवि को कांग्रेस से टिकट मिलना तय माना जा रहा था। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने पूर्व आईएएस आर के सिंह व पूर्व मंत्री ओमवती की पुत्रवधु को अपना प्रत्याशी घोषित किया था। जिससे नाराज सपना रवि ने अपने समर्थकों के साथ मुस्लिम समाज के कद्दावर नेता असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी महताब चौहान के निमंत्रण पर बुधवार की शाम उनकी उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

तहसीलदार ने ग्राम प्रधान से किया अमर्यादित भाषा का प्रयोग

सोशल मीडिया पर तहसीलदार का ऑडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

संवाददाता

बिजनौर । सोशल मीडिया पर एक तहसीलदार का आडियो जमकर वायरल हो रहा है। जिसमे वह एक प्रधान से बातचीत के दौरान उसके प्रति गालियो का इस्तेमाल कर रहे है। ऑडियो में तहसीलदार द्वारा एक गांव से पेड काटे जाने पर इंस्पेक्टर सहित सभी लोगो को देख लेने की धमकी दी जा रही है । बातचीत के दौरान अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल होने से जिले के जनप्रतिनिधियो में भी रोष बढ़ता जा रहा है। बुधवार से सोशल मीडिया पर एक आडियो जमकर वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि ऑडियो में नगीना तहसीलदार अनुराग सिंह जो दौलताबाद की ग्राम प्रधान से मर्यादित भाषा में बात कर रहे हैं।

आरोप है कि तहसीलदार अनुराग सिंह आए दिन लोगो के साथ दुर्व्यव्यवहार को लेकर चर्चाओ में है जो जनप्रतिनिधि के साथ भी फोन पर बातचीत के दौरान जमकर गालियो का इस्तेमाल कर रहा है । आडियो वायरल होने के बाद जिले के जनप्रतिनिधियो में एक अधिकारी के ऐसे व्यवहार को लेकर लगातार रोष बढता जा रहा है । इस सम्बन्ध में जब तहसीलदार नगीना से फोन पर सम्पर्क साधने की कोशिश की गयी तो फोन रिसीव नही हुआ है।

वायरल ऑडियो को लेकर थानाध्यक्ष ने अपनी ओर से दी सफाई

संवाददाता

बिजनौर। सोशल मीडिया पर नगीना तहसीलदार का आडियो वायरल होने के बाद कोतवाली देहात थाना अध्यक्ष हरीशचंद ने कहा कि थानाक्षेत्र के गांव दौलताबाद में शिकायत की गयी थी कि कब्रिस्तान की भूमि से गांव के कुछ लोग बिना अनुमति के पेड काट रहे है। जिनके पास कमेटी भी नही है जो 50 से ज्यादा पेडो को काटने का आरोप लगा रहे थे। जिसको लेकर दूसरे पक्ष के लोग एसडीएम नगीना के पास पहुँचे थें। जहा से दोनो पक्षो को बुलाकर निस्तारण कराने के आदेश मिले थें। पुलिस ने बाद में जांच की तो पता चला कि कब्रिस्तान की भूमि पर 50 पेड काटने को लेकर स्थानीय वक्फ कमेटी ने वन विभाग से अनुमति ली थी । मौके पर 50 से भी कम पेड काटे गये थें ।अधिकारियो के निर्देश पर समस्या का निस्तारण कराया गया है ।

पीड़ित ग्राम प्रधान फैसल अंसारी ने तहसीलदार पर लगाए आरोप

बिजनौर। सोशल मीडिया पर वायरल आडियो मे गाली सुनने वालें दौलताबाद के पीड़ित प्रधान फैसल अंसारी ने तहसीलदार अनुराग सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे गांव में एक कब्रिस्तान है जिसमे वक्फ बोर्ड की ओर से एक कमेटी बनाई गयी है । पिछले दिनो कमेटी की ओर से वक्फ बोर्ड और वन विभाग से 50 पेडो को काटने की अनुमति लेकर नीलाम किया गया था। जिसमे कुछ लोगो की शिकायत पर तहसीलदार नगीना ने लेखपाल को भेजकर कटान रूकवा दिया था । उन्होंने कटान को मेरे हवाले कर दिया था ।जिसकी वह पिछले 10-12 दिन से लगातार निगरानी कर रहा था । पुलिस के द्वारा जांच कर मामला कमेटी के हक मे पाए जाने पर कटे हुए पेडो को पुलिस ने कमेटी के सुपुर्द करा दिया है । यह बात पता चलने के बाद तहसीलदार नगीना जबरदस्ती दबाव बनाकर मेरे साथ दुर्व्यवहार कर रहे है ।

भीषण ठंड से परेशान लोग आग के सहारे जीवन बचाने की कर रहे कोशिश

संवाददाता

नजीबाबाद। जनवरी माह की शुरूआत से ही ठंड ने भी अपने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर कर दिए। पिछले लगभग एक सप्ताह से सूर्य देव दर्शन नही दिए। हर रोज कोहरे के शाम होते ही गहरा डाल ने के चलते मौसम में ठिठुरन बढ़ती जा रही है। हालात यह है कि गर्म कपड़े भी अब इस हाड़ कपाती ठंड को रोकने में नाकाम नजर आ रहे हैं। जिसके चलते लोगों को अपनी जान बचाने के लिए आग का सहारा लेना पड़ रहा है। कोरोना महामारी के चलते एक बार फिर से काम धंधा बन्द होने को तैयार है। ऐसे मे मजदूर पेशा लोग गली नुक्कड़ पर आग जलाकर बैठ जाते है। जिनका पूरा पूरा दिन आग के सामने बैठ कर गुजर रहा है। इस भीषण ठंड के चलते ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी शहरों की तरफ रुख नहीं कर रहे हैं। लगभग 10 जनवरी से यही हाल है कि सूर्य देव तो बस यह गया दो बार झलक दिखा कर गायब हो गए और क्षेत्र के लोग कोहरे व सर्द हवाओ व शीत लहर के चलते बाजारों में निकलने से परहेज करते दिखाई दिए। बढ़ती ठंड व ठिठुरन के चलते लोग जगह जगह अलाव के सहारे दिन गुजार रहे हैं।

सपा प्रत्याशी मनोज पारस के चुनाव की बागडोर उनके पुत्र अक़्शेस पारस ने संभाली

क्षेत्र के गांव गांव जाकर कर रहे जनसंपर्क, युवा मतदाताओं के बीच हो रहे लोकप्रिय

नगीना । नगीना सुरक्षित विधानसभा सीट से दो बार जीत का परचम लहरा चुके लोकप्रिय विधायक मनोज पारस को तीसरी बार सपा ने अपना प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा है। विधायक मनोज पारस के पुत्र अक़्शेस पारस ने भी अपने पिता के चुनाव में नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में उतरकर चुनावी बागडोर संभाल ली है। अक़्शेस पारस भी क्षेत्र के युवाओं के लिए पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अक़्शेस पारस ने राजनीतिक में अपना जीवन युवावस्था से ही समाजवादी पार्टी में लगा दिया था। साथ ही 2019 में समाजवादी लोहिया वाहिनी से जिला महासचिव बनाए जाने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई थी। इसी पद के चलते उन्होंने समाजवादी पार्टी से जिला पंचायत चुनाव निर्विरोध जीतकर अपने समर्थकों व पार्टी का नाम आगे बढ़ाकर अपनी सफलता के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने समाज के दलित व पिछड़ा वर्ग के सभी लोगों को एक समान समझकर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष कर उनकी हर समस्या का समाधान कराते रहे है। उन्होंने क्षेत्र के लोगो को भरोसा दिलाया कि अगर आगामी चुनाव में समाजवादी की सरकार बनती हैं तो उनके लिए वो हर एक योजना जैसे 300 यूनिट बिजली फ्री, विधवा पेंशन , कन्या विद्या धन योजना ,आवास योजना, शौचालय योजना व युवाओं के लिए एक बड़ा स्टेडियम आदि जैसी सुविधाएं देने का काम सपा सरकार करेगी। साथ ही अक़्शेस ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की कि वह समाजवादी पार्टी को जिता कर बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग के लिए काम करने वाले दल को जिताने का काम करे।अक़्शेस पारस का कहना है कि आपके बीच रहकर आपकी समस्याओं का समय से समाधान करने का काम करते रहेंगे। उधर सभी गांव के बड़े बुजुर्गों ने अक़्शेस पारस को आशीर्वाद देकर उनकी लंबी आयु की कामना करते हुए विधानसभा चुनाव में उनके पिता मनोज पारस की जीत का परचम लहराने का आशीर्वाद दिया । साथ ही लोगों ने उनके सभी सहरानीय कार्य को देखकर शाहबाजपुर पंचायत से चुनाव में निर्विरोध सदस्य चुनकर इतिहास रचा है। क्षेत्र के लोगों ने सपा विधायक पुत्र का व्यवहार देखकर भविष्य में भी उन्हे अपना नेता चुनने की की बात कही है।

जिले की सभी विधानसभा सीटों पर नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू

कलेक्ट्रेट परिसर में अलग-अलग भवनों में बनाए गए नामांकन केंद्र, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

संवाददाता

बिजनौर । जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि विधान सामान्य निर्वाचन-2022 के अंतर्गत कल 21 जनवरी,2022 से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। जिसकी अंतिम तिथि आयोग द्वारा 28 जनवरी, 22 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि जिले की सभी विधान सभाओं की नामांकन प्रक्रिया कलैक्ट्रेट परिसर स्थित भवनों में सम्पन्न की जाएगी।, जिसके लिए विधानसभावार कक्षों का निर्धारण कर दिया गया है। उन्होंने नामांकन कक्षों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा क्षेत्र 17-नजीबाबाद के लिए पुराना जिलाधिकारी कोर्ट कक्ष, 18-नगीना अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व कार्यालय कक्ष, 19-बढ़ापुर कलैक्ट्रेट के नये भवन का पूर्वी हाल, 20-धामपुर अपर जिलाधिकारी प्रशासन न्यायालय कक्ष नई बिल्डिंग, 21 नहटौर जिलाधिकारी न्यायालय नई बिल्डिंग, 22-बजनौर के लिए उप जिलाधिकारी सदर न्यायालय कक्ष, 23-चांदपुर के लिए कलैक्ट्रेट के नये भवन का उत्तरी हाल तथा 24-नूरपुर विधान सभा क्षेत्र के नामांकन के लिए कलेक्ट्रेट के नये भवन का दक्षिणी हाल निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि नामांकन के लिए प्रत्याशी द्वारा केवल एक वाहन अनुमन्य है, जिसे लोक निर्माण विभाग अथवा समाजवादी पार्टी कार्यालय पर स्थापित वेरिकेटिंग के पास खड़ा किया जा सकता है तथा प्रत्याशी को कलेक्ट्रेट गेट से पैदल अधिक से अधिक दो व्यक्तियों के साथ नामांकन स्थल पर नामांकन के लिए आ सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा नामांकन का समय पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 03:00 तक निर्धारित किया गया है। नामांकन की जांच के लिए 29 जनवरी, तथा नाम वापसी की तिथि 31 जनवरी,2022 निर्धारित है। उन्होंने यह भी बताया कि 21 जनवरी, से 28 जनवरी,22 तक संचालित नामांकन प्रक्रिया के दौरान 22, 23 एवं 26 जनवरी,22 को सार्व जनिक अवकाश होने के कारण नामांकन कार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नामांकन की सम्पूर्ण प्रक्रिया को सुचारू और निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासनिक नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह तथा पुलिस नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रामार्ज होगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिए नामांकन की सभी प्रक्रियाएं निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुपालन में पूर्ण निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें।

भाजपा प्रत्याशी सीपी सिंह के चुनाव कार्यालय का हुआ भव्य उद्घघाटन

परिवहन मंत्री अशोक कटारिया ने फीता काटकर किया उद्घाटन

संवाददाता

नूरपुर। नूरपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी सी पी सिंह के चुनाव कार्यालय का उद्घघाटन परिवहन मंत्री अशोक कटारिया ने विधिवत रुप से फीता काटकर किया। इससे पूर्व कार्यालय पर हवन यज्ञ पूजन हुआ। गुरुवार को उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान परिवहन मंत्री अशोक कटारिया ने विधानसभा में कमल के फूल को खिलाने और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया एवं उनका हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर भाजपा के विधानसभा प्रभारी उदयगिरी गोस्वामी, पूर्व राज्य मंत्री महावीर सिंह, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन दिनेश चौधरी, डीसीएफ के चेयरमैन पुष्पेंद्र शेखावत, पूर्व चेयरमैन नूरपुर उमेश कर्णवाल, हरिराज सिंह, सुन्दर राणा, विनोद चौहान, मुकेश जोशी, डॉ विनीत देवरा, कविश राणा, अंकुर त्यागी, रवि चौधरी पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, जिला महामंत्री भूपेंद्र बॉबी, जिला उपाध्यक्ष दिनेश सैनी, नितिन चौहान, आकांक्षा चौहान, पूर्व प्रधानाचार्य राम प्रसाद सिंह आदि अन्य पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शांति पूर्ण व भयमुक्त चुनाव के लिए पुलिस व सुरक्षा बलों ने किया फ्लैग मार्च

संवाददाता

नगीना। विधानसभा चुनाव को शांति पूर्वक व भयमुक्त रूप से संपन्न कराने के लिए पुलिस व पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित शुक्ला व थाना प्रभारी कृष्ण मुरारी दोहरे के नेतृत्व में पुलिस व अर्धसैनिक बलों ने नगर के मुख्य मार्गो से

सुरक्षाबलों ने शहर में फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। फ्लैग मार्च शहर के विभिन्न मार्गो से होता हुआ गुजरा।गुरुवार की दोपहर को होते हुए फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस व सुरक्षा बलों का ब्लैक बोर्ड से नगर पालिका से शुरू होकर नगर के मुख्य बाजारों से होता हुआ नगर के आखिरी छोर बाजार पहाड़ी दरवाजा पहुंचकर संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित शुक्ला ने कहा कि सभी मतदाता चुनाव में भयमुक्त होकर अपना मतदान करें। उन्होंने सभी नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि चुनाव में खलल डाल ने तथा अराजकता पैदा करने वाले शातिर तत्व के खिलाफ समय रहते पुलिस को सूचना दें ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने दो टूक कहा कि दबंग व बाहुबली किस्म के लोगों को चुनाव को प्रभावित कर ने व मतदाताओं को धमकाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

मतदान कार्मिकों को कोविड वैक्सिनेशन की डबल डोज अनिवार्य

पोलिंग व काउटिंग एजेन्ट के लिए भी वैक्सीन की दोनों डोज जरुरी : डीएम

संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने निर्वाचन आयोग व शासन के निदेशों के अनुपालन में यह जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत सभी मतदान कार्मिकों को कोविड वैक्सिनेशन की डबल डोज लगवाना अनिवार्य है। जो लोग कोविड वैक्सिनेशन की दोनों डोज ले चुके हैं और बूस्टर डोज के लिए निर्धारित समय गुजार चुके हैं, वह तत्काल बूस्टर डोज लें, ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित रह सकें। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सूचित करते हुए कहा कि चुनाव अभिकताओं के लिए भी कोविड वैक्सिनेशन की डबल डोज अनिवार्य है, बिना डबल डोज के वेक्सिनेशन लिए कोई भी व्यक्ति निर्वाचन अभिकर्ता के रूप में अर्ह नहीं होगा, बिना डबल टीकाकरण कराए कोई भी मतदान अभिकर्ता (पोलिंग एजेन्ट) अथवा मतदान अभिकर्ता (काउंटिंग एजेन्ट) मतदान केन्द्र तथा मतगणना स्थल में प्रवेश का पात्र नहीं होगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों का आह्वान किया कि पोलिंग एजेन्ट तथा काउंटिंग एजेन्ट के लिए केवल उन्हीं व्यक्तियों का नाम प्रस्तुत करें, जो कोविड की दोनों डोज ले चुके हैं। जिलाधिकारी श्री मिश्रा ने स्पष्ट करते हुए कहा कि मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदाता पहचान पत्र होना पर्याप्त नहीं होगा, वरन् मतदान के लिए मतदाता का नाम मतदाता सूची में होना भी अनिवार्य है। सभी मतदाता स्वयं अपना नाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट पर मतदाता सूची में देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त अपने मोबाईल पर वोटर हैल्पलाईन एप अपलोड कर अपना नाम सर्च कर सकते हैं। साथ ही अपना नाम निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण/तहसील अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में भी मतदाता सूची में देख सकते हैं।

करण सिंह ग्रोवर
तीन बैक-टू-बैक शो के साथ व्यस्त रहेंगे

द हार्टथ्रोब ऑफ द नेशन करण सिंह ग्रोवर, अपनी करिश्माई स्क्रीन प्रेजेंस, पावरहाउस परफॉर्मेंस और संक्रामक अच्छे लुक से हमें प्रभावित करने में कभी असफल नहीं हुए। एक नए साल की शुरुआत के साथ, हैंडसम हीरो के अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित है।

नए साल के बारे में बात करते हुए, करण सिंह ग्रोवर ने कहा, ÷2022 अविश्वसनीय लग रहा है! मैं विविध सिनेमाई स्थानों में प्रवेश करने और एक अभिनेता के रूप में और अधिक खोज करने के लिए उत्सुक हूं। यह मेरे जीवन के हर पहलू में एक बहुत ही उत्पादक वर्ष होने जा रहा है। ÷

करण सिंह ग्रोवर ने अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स की एक झलक भी दी। इसे साझा करते हुए, बहुमुखी अभिनेता ने कहा, ÷मेरे पास वर्ष के लिए तीन वेब शो की योजना है। उनमें से प्रत्येक सिनेमा के एक अलग स्कूल से आता है। मैं अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स में एक्शन, मनोवैज्ञानिक थ्रिलर और रोमांस पर काम करूंगा।

खैर, हम शानदार अभिनेता को अपने बैक-टू-बैक परफॉर्मेंस के साथ हमारी स्क्रीन पर कब्जा करते हुए देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इस बीच, करण सिंह ग्रोवर ने अपनी आखिरी आउटिंग, कुबूल है 2.0 के लिए बड़े पैमाने पर प्रशंसा अर्जित की थी।

रूममेट्स बनकर खोलेंगी एक दूसरे के राज

टेलीविज़न की दुनिया मे अपना नाम बना चुकी और अपने काम से सुर्खिया बटोर चुकी एक्ट्रेसेस लवीना टंडन और पलक पर्सवानी अब टीवी की दुनिया से एक कदम और आगे रख चुकी हैं। जी हा टेलीविज़न पर अलग-अलग किरदार निभा चुकी ये अदाकारा अब शार्ट फ़िल्म में कमाल कर रही हैं ।

पहली बार शार्ट फिल्म रूम मैट्स में ये दोनों एक साथ दिखाई दे रही हैं। जहा पर इस इन दोनो की मस्ती और खटपिट वाली केमिस्ट्री दिखाई देगी। शार्ट फ़िल्म में दिखाया गया हैं जहां पलक, लवीना को हर काम मे रोकटोंक करती है तो वही पलक की बातों से तंग आई, लवीना एक दिन पलक को ऐसा जवाब देती है कि पलक को दिन में तारें नजर आ जाते हैं। हालांकि हर पल को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया हैं।

प्रोडक्शन हाउस मेड इन इंडिया और स्काई 247 के द्वारा बनी इस शार्ट फ़िल्म की डायरेक्टर हैं रोशन गैरी भिंदर और राइटर हैं सौम्या श्रीनाथ । शॉर्ट फिल्म के प्रोड्यूसर हैं संतोष गुप्ता। बात करे एक्ट्रेस लवीना टंडन तो वो जोधा अकबर, नागिन, बालवीर, प्यार तूने क्या किया जैसे तमाम बड़ेटीवी सीरिअल्स में अपने हुनर का परचम लहरा चुकी हैं वही पलक पर्सवानी की बात करे तो वो स्पिलट्स विला 7 की मजबूत दावेदार थी साथ ही सीरियल बड़ी देवरानी, ये रिश्ते हैं प्यार के और मेरी हानिकारक बीवी में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा ये दोनों वेब सीरीज में भी काम कर चुकी हैं। और बहुत ही जल्द काफी दिलचस्प शोज में ये दिनों दिखाई देंगी।

कनिका ढिल्लों ने हिंदी सिनेमा की कहानी को दो बार बदला

जजमेंटल है क्या, गिल्टी, केदारनाथ और मनमर्जियां जैसी लोकप्रिय और शैली वाली फिल्मों के साथ, कनिका ढिल्लों ने मनोरंजन इंडस्ट्री में अपने लिए एक खासजगह बनाई है। हसीन दिलरुबा के साथ, कनिका ने अपनी टोपी में केवल एक और पंख जोड़ा है!

अपनी पकड़ और दिलचस्प कथानकों के लिए जानी जाने वाली, मनमौजी स्टार लेखिका कनिका ढिल्लों की नेटफ्लिक्स ओरिजिनल हसीन दिलरुबा 2021 में रिलीज़ होने पर सबसे अधिक देखी जाने वाली फ़िल्मों में से एक बन गई। न केवल भारत में बल्कि पाकिस्तान, यूएई और यूके जैसे देशों सहित सीमाओं के पार भी। अब, एक उत्कृष्ट उपलब्धि में, यह फिल्म ड्वेन जॉनसन और गैल गैडोट स्टारर रेड नोटिस को पछाड़ते हुए लगातार 17 सप्ताह तक शीर्ष के दस सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नेटफ्लिक्स फिल्मों में बनी हुई है!

अपनी फिल्म के बारे में बोलते हुए, जिसे उन्होंने लिखा और सह-निर्मित किया, लगातार 17 हफ्तों तक नेटफ्लिक्स की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में अपनी अच्छी-खासी जगह अर्जित की, कनिका ढिल्लों ने कहा, मैं रोमांचित हूं कि हसीन दिलरुबा को व्यापक रूप से देखा और सराहा गया है। और इसका यह प्रमाण है की नेटफ्लिक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर 17 सप्ताह तक शीर्ष दस में रहना, जिसमें एक विशाल कॉन्टेंट की लाइब्रेरी है, यह एक ऐसा कारनामा है जिसे लेकर पूरी हसीन दिलरुबा टीम खुश है! मैं इस फिल्म के पीछे के सभी लोगों को बधाई देना चाहती हूं! खासकर तापसी पन्नू और विक्रांत, मेरे निर्माता आनंद एल राय और मेरे निर्देशक विनील मैथ्यू!

कनिका ढिल्लों बॉलीवुड में सबसे अधिक मांग वाली लेखकों में से एक रही हैं, जिन्होंने हिंदी नायिका को फिर से पेश करके और पल्प को पर्दे पर वापस लाकर हिंदी सिनेमा की कहानी को दो बार बदल दिया। जजमेंटल है क्या, गिल्टी, केदारनाथ और मनमर्जियां जैसी लोकप्रिय और शैली वाली फिल्मों के साथ, कनिका ढिल्लों ने मनोरंजन इंडस्ट्री में अपने लिए एक खासजगह बनाई है। हसीन दिलरुबा के साथ, कनिका ने अपनी टोपी में केवल एक और पंख जोड़ा है!

हसीन दिलरुबा को इसके कड़े लेकिन अप्रत्याशित कथानक और शानदार पल्प डायलॉग्स के लिए सर्वसम्मति से सराहा गया है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हसीन दिलरुबा जल्दी ही दर्शकों के बीच हिट हो गई। अपने आप में एक ट्रेंडसेटर, कनिका ट्रेलर में शीर्ष बिलिंग प्राप्त करने वाली पहली लेखिका बनीं, जिससे उन्हें इसका श्रेय दिया गया जहां होना चाहिए था।

विक्रांत मैसी और तापसी पन्नू द्वारा सम्मोहक अभिनय से अभिनीत, हसीन दिलरुबा को कनिका ढिल्लों द्वारा लिखा और सह-निर्मित किया गया है।

आदित्य रॉय कपूर ने ओटीटी में शुरुआत के साथ ट्रेंड सेट किया

आदित्य रॉय कपूर समीक्षकों द्वारा प्रशंसित द नाइट मैनेजर रीमेक के महत्वाकांक्षी रीमेक के लिए लगातार चर्चा में रहे हैं, जो लोकप्रिय अभिनेता के ओटीटी डेब्यू को चिह्नित करेगा। जहां प्रशंसित ब्रिटिश मिनी सीरीज के हिंदी रूपांतरण की प्रत्याशा अधिक है, वहीं इस सुंदर अभिनेता को इस प्रस्तुति में देखने के लिए बहुत उत्साह है।

आदित्य रॉय कपूर, जो हमेशा सबसे आगे रहने के लिए जाने जाते हैं, लोकप्रिय सितारों की युवा पीढ़ी से स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की बढ़ती दुनिया में उद्यम करने वाले पहले लोगों में से एक होंगे। ओटीटी कंटेंट के लिए दर्शकों की भारी वृद्धि के साथ, यह निश्चित रूप से अभिनेता के लिए एक अच्छा कदम है।

एक सूत्र ने खुलासा किया, आदित्य रॉय कपूर अपने दृष्टिकोण में हमेशा एक कदम आगे और गैर-पारंपरिक रहे हैं। वह एक अपरंपरागत रास्ता अपनाने और अपने तरीके से आगे बढ़ने से कभी नहीं कतराते हैं। अभिनेता ओटीटी दुनिया के महत्व और क्षमता को समझते हैं। और वे तलाशने के लिए सही कंटेंट खोजने के लिए उत्सुक रहे है। नाइट मैनेजर वह आदर्श कंटेंट है जिसे वह ढूंढ रहे थे। उनके प्रशंसक और आम तौर पर दर्शक अपने पसंदीदा अभिनेता को एक लंबे प्रारूप वाले शो में देखने के लिए उत्साहित हैं।

सूरज बड़जात्या के साथ काम कर रोमांचित है परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा फिल्मकार सूरज बड़जात्या के साथ काम कर रोमांचित है। परिणीति संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में रणबीर कपूर के अपोजिट और सूरज बड़जात्या की ऊंचाई में अमिताभ बच्चन और अनुपम खेर और बोमन ईरानी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगी। परिणीति ने कहा, ÷मैं एक ही साल में संदीप रेड्डी वांगा और सूरज बड़जात्या सर के साथ काम कर रही हूं, जो मेरे लिए अविश्वसनीय है। सूरज सर के साथ काम करना मेरे जैसे किसी भी एक्टर के लिए हमेशा एक सपना होता है। वह फैमिली एंटरटेनर के मास्टर हैं। जब मैंने अपने पैरेंट्स को बताया कि सूरज सर ने मुझे उंचाई में कास्ट किया तो वे रोमांचित थे।

परिणीति चोपड़ा ने कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि सूरज सर ने, जिन्होंने भारतीय सिनेमा में बेस्ट लोगों के साथ काम करते हुए मील का पत्थर हासिल किया है, मुझे अपनी सिनेमैटिक विजन का हिस्सा बनाने के लिए चुना है। सूरज सर मेरी कल्पना से भी बेहतर इंसान हैं। वह विनम्रता के मास्टर क्लास हैं। उनके निर्देशन में काम करने पर मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। उनकी हीरोइन होना एक दूसरा आशीर्वाद है, जो 2021 में मुझे मिला है।

दंगल टीवी के शो 'रंग जाऊं तेरे रंग में' में सृष्टि और ध्रुव की ग्रैंड शादी

दर्शकों के बीच बेपनाह लोकप्रिय जनरल एंटरटेनमेंट चैनल दंगल टीवी का नया धारावाहिक ÷रंग जाऊं तेरे रंग में÷ बहुत ही कम समय मे ऑडियंस के बीच अपनी एक जगह बना चुका है। शो में अब शादी विवाह का माहौल आ गया है। सृष्टि और ध्रुव की शादी हो रही है। इस पारिवारिक शो के चौबे और पांडेय परिवार के सभी लोग काफी उत्साहित हैं। शादी की ख़ास तैयारियां की गई हैं।

काफी भव्य रूप से इस शादी का सीक्वेंस शूट किया गया। बैंड बाजा बारात, रौशनी, जगमगाहट, सेलिब्रेशन, डांस, सबके चेहरे पर उत्साह, खुशी का माहौल है।

इस शो में पाण्डेय परिवार के काशीनाथ पांडेय की भूमिका निभा रहे सुदेश बेरी अपने बेटे की शादी को लेकर काफी उत्साहित हैं। शेरवानी और पगड़ी पहने अपने ग्रैंड कॉस्ट्यूम में काफी स्मार्ट दिख रहे थे। उन्होंने कहा, मैं बहुत ही खुश हूं, मेरे बेटे की शादी है। मैं अपने बेटे ध्रुव के लिए सृष्टि जैसी लड़की ही चाहता था। सृष्टि एक ऐसी लड़की है जो पूरे परिवार को एक साथ रखना जानती है और घर में वह और प्यार लाएगी। काफी बड़े पैमाने पर शादी की तैयारियां की गई हैं लेकिन टीवी सीरियल की शादी है तो उसमें कुछ ट्विस्ट भी होगा, मगर उसके लिए आपको दंगल टीवी पर रंग जाऊं तेरे रंग में देखना होगा।

आपको बता दें कि रंग जाऊं तेरे रंग में 3 जनवरी 2022 से शुरू हुआ है और इतने कम वक्त में यह दर्शकों का पसंदीदा सीरियल बनने में कामयाब हो गया है। तो दर्शक अब सृष्टि और ध्रुव की मधुर कहानी को देखने के लिए तैयार हो जाएं क्योंकि शादी के जश्न का उत्साह शो की पूरी कास्ट के चेहरे पे है।

ध्रुव पांडे की भूमिका निभाने वाले करम राजपाल दूल्हे के कॉस्ट्यूम में बहुत ही डैशिंग लग रहे थे, उन्होंने कहा कि ÷शादी का यह सीक्वेंस वाकई सेट पर बहुत उत्साह लेकर आया है। हम सभी शादी के खास कपड़ों में तैयार हुए हैं और इसका मजा ले रहे हैं। हम जब बारात लेकर लड़की वालों के घर पहुंचे तो हमारा स्वागत बड़े अच्छे से किया गया, काफी एक्साइटमेंट है। ध्रुव सृष्टि से शादी करने के लिए उत्सुक है। वह अपने पिता की पसंद को अपनी पसन्द बनाकर आगे बढ़ रहा है और सोचता है कि सृष्टि हमारे परिवार के रंग में अच्छी तरह से रंग जाएगी। शादी में कुछ ड्रामा भी होने वाला है मगर उसके लिए आपको दंगल टीवी पर यह शो देखना होगा। काफी इंट्रेस्टिंग मोड़ आने वाला है जो आपको अपनी सीट से हिलने नहीं देगा। एक सीन करके हमने काफी एन्जॉय किया जब लड़की वाले लड़के वालों को गालियां देते हैं, यह दरअसल शादी की एक रस्म है जिसके बारे में मुझे भी नही पता था।

शो में सुरेंद्र चौबे का किरदार कर रहे चैतन्य अदीब ने बताया कि काफी खुश हूं कि बड़ी जद्दोजहद के बाद हमें अच्छा दूल्हा मिल गया है और हमारी बड़ी बेटी का घर बसने जा रहा है।

ध्रुव के छोटे भाई अभिषेक पांडे की भूमिका निभा रहे उदित शुक्ला ने बताया कि भैया की शादी है, हम सब काफी खुश हैं। खूब नाचते हुए बैंड बाजा के साथ बारात लेकर आए हैं। 15 जगह बात न बनने के बाद बड़े

विक्की कौशल ने गुनगुनाया नुसरत फतेह अली खान का ये गाना, कर रहे वाइफ कटरीना को मिस

ऐक्टर विक्की कौशल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। वह शूटिंग के सिलसिले में इंदौर में हैं। हाल में ही विक्की कौशल का नया वीडियो सामने आया है जिसमें वह गुनगुनाते नजर आ रहे हैं। उनके इस वीडियो को देख ऐसा लग रहा है कि वह वाइफ कटरीना कैफ को मिस कर रहे हैं। विक्की कौशल का कूल अंदाज इस वीडियो में देखने को मिला है। वह नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने सांसों की माला पे सिमरूं गुनगुना रहे हैं।

हाल में ही कटरीना कैफ ने अपनी तस्वीर शेयर करके बताया था कि वह इंदौर पहुंच गई हैं। पति विक्की कौशल के साथ समय बिताने के लिए वह इंदौर गई थीं। खबरें हैं कि विक्की कौशल की आने वाली फिल्म लुका छुपी 2 है। इस फिल्म में वह सारा अली खान के साथ नजर आएंगे। पहला मौका होगा जब दोनों स्क्रीन शेयर करेंगे। सारा अली खान ने हाल में ही उज्जैन के महाकाल मंदिर में दर्शन किए थे। वह दर्शन के बाद शूटिंग पर पहुंची थी।

बता दें विक्की कौशल की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह सैम में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में वह फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रोल को निभाएंगे। सैम फिल्म को मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है। विक्की कौशल हाल में शहीद उधम सिंह की बायोपिक में नजर आए। ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई जिसमें उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई।

बात करें कटरीना कैफ की अपकमिंग फिल्मों की तो वह टाइगर 3 और मेरी क्रिसमस में नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि कटरीना कैफ अगले महीने मेरी क्रिसमस की शूटिंग में जुटेंगी। इस फिल्म को आर राघवन डायरेक्ट करेंगे।

दूसरों से दिखना है अलग तो ऐसे कैरी करें ज्वेलरी

फैशन और स्टाइल की दुनिया में हर वक्त कुछ नया देखने को मिलता है। कई बार पुराने स्टाइल को न्यू ट्रेंड्स में रीक्रिएट किया जाता है, तो कुछ लेटेस्ट ट्रेंड्स लोगों का दिल जीत लेते हैं। वहीं इन दिनों साधारण आउटफिट पर ट्रडिशनल ज्वेलरी का चलन बना हुआ है। शादियों के सीज़न में जहां साड़ी की मैचिंग ब्लाउज़ हों, स्कर्ट के साथ चोली या टॉप हो। सभी में डीप नेकलाइन पर फोकस किया जा रहा है, जिससे उसके साथ हैवी ट्रेडिशनल ज्वेलरी से लुक को कंप्लीट किया जा सके।

एक बार फिर से स्वीटहार्ट नेकलाइन की वापसी हुई है। अगर ब्राइडल ब्लाउज की बात हो तो यह नेकलाइन डिजाइन ट्रेंड कर रहा है। इस तरह के हार्ट शेप में बने नेक डिजाइंस पर गोल्ड, पर्ल वाले हैवी चोकर को पहना जा रहा है। कुंदन, बीड्स और स्वरास्की स्टोंस चोकर और नेकलेस भी फिर से लौटा है

हाल ही में अभिनेत्री यामी गौतम ने गोल्ड ज्वेलरी को सिंपल कुर्ते पर फ्लॉन्ट किया था। वह फोटो काफी वायरल हुई थी। यामी का ओवरऑल लुक ट्रडिशनल था। तब से गोल्ड ज्वेलरी का ट्रेंड बन गया है। जरूरी नहीं कि गोल्ड ज्वेलरी के साथ आप पारंपरिक आउटफिट ही पहनें। साधारण सी ड्रेस पर भी आप गोल्ड ज्वेलरी के साथ प्ले कर सकती हैं।

स्वीटहार्ट नेकलाइन

एक बार फिर से स्वीटहार्ट नेकलाइन की वापसी हुई है। अगर ब्राइडल ब्लाउज की बात हो तो यह नेकलाइन डिजाइन ट्रेंड कर रहा है। इस तरह के हार्ट शेप में बने नेक डिजाइंस पर गोल्ड, पर्ल वाले हैवी चोकर को पहना जा रहा है। कुंदन, बीड्स और स्वरास्की स्टोंस चोकर और नेकलेस भी फिर से लौटा है। डिज़ाइनर्स स्वीटहार्ट नेकलाइन की लेंथ 10 इंच तक डीप रख रहे हैं, जिसे ज्वेलरी से कवर किया जा रहा है।

पोल्की ज्वेलरी

पोल्की ज्वेलरी सोने की फ्वॉइल का उपयोग करके बनाई जाती है, जिसे अनकट डायमंड से पेंट किया जाता है। यह रोशनी में आपकी खूबसूरती को और भी बढ़ाएगी। कुंदन ज्वेलरी की तुलना में यह अधिक महंगी होती है, क्योंकि इस तरह की ब्राइडल ज्वेलरी में ज्यादा सोने और हीरे होते हैं और यह पहनने पर भारी भी लगती है। इसे लहंगे, साड़ी, सूट या स्कर्ट के साथ जरूर पहनें।

एंटीक सिल्वर ज्वेलरी

अगर आप डिफरेंट लुक चाहती हैं, तो एंटीक सिल्वर ज्वेलरी ले सकती हैं। कुंदन, पोल्की, गोल्ड या फिर अन्य ज्वेलरी की तुलना में यह यूनिक लुक देती है। वेडिंग सेरेमनी में खूबसूरत दिखने के लिए यह परफेक्ट पसंद है, आने वाले महीनों में इसका ट्रेंड बरकरार रहेगा। कुर्ते, शर्ट, साड़ी, गाउन, मैक्सी ड्रेस और लहंगे पर पहनें।

डीप नेकलाइन पर ज्वेलरी

आजकल डिज़ाइनर्स डीप नेकलाइन पर हैवी ज्वेलरी से प्ले करते नजर आ रहे हैं। क्लीवेज छुपाने के लिए हेवी चोकर के साथ लॉन्ग नेकलेस का चलन जोरों से बढ़ता दिखा है। इस फेस्टिव सीज़न आप भी डीप नेक की ड्रेस पर ट्रडिशनल हेवी ज्वेलरी पहनना न भूलें। ●

दुल्हन बनने वाली हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

शादी की तैयारियों से लेकर फंक्शन्स तक दुल्हा दुल्हन को कई सारी चीजों से गुजरना पड़ता है। दुल्हन हमेशा अपने लुक्स को लेकर हमेशा टेंशन में रहती है कि आखिर उसके खास दिन पर उसका लुक कैसा होगा। लड़कियों को इस बात की चिंता भी मन ही मन सताती रहती है, कि ससुराल में उनका पहला दिन कैसा होगा। ऐसे में आप हम आपको बताने वाले है चार चीजों के बारे में जिनहें आपको अपने माइंड में हमेशा रखना चाहिए।

इतनी सारी शॉपिंग में अक्सर हम छोटे सामानों को भूल जाते हैं। ऐसे में आप एक लिस्ट तैयार करें और फिर जो सामान खरीद लें उस पर टिक कर दें। इस तरह से शॉपिंग करना आपके लिए काफी आसान होगा

● अक्सर लड़कियां शादी से पहले इतनी ज्यादा टेंशन लेती है कि वह अपनी शादी के फंक्शन को एंजॉय ही नहीं करती है। हम समझते हैं कि शादी में टेंशन से दूर भागना मुश्किल होता है, लेकिन बेमतलब का तनाव लेना और चिंतित होना कुछ ऐसी चीज है, जिससे आपको बचना चाहिए। तनाव न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बल्कि आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी भारी पड़ता है। आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं, साथ ही आपकी स्किन सुस्त हो सकती है और अपनी बनावट खो सकती है और आप अपने स्पेशल दिन पर बहुत ज्यादा डल दिख सकते हैं।

● आपको जो करना है उसे पहले ही कंपलीट करें। एंड के लिए चीजें छोड़ना आपके लिए मुश्किल भरा हो सकता है। अगर आप अपनी चीजों को बाद में करने के लिए छोड़ती रहेंगी तो एंड में ये आपके लिए चिंता का सबब बन जाएंगी। आप शादी से कुछ दिन पहले ही सभी चीजों को निपटाने की कोशिश करें।

● स्किन का ख्याल रखना आपके लिए किसी काम से कम नहीं है। अपने बिजी शेड्यूल के कारण लड़कियां स्किन पर बिल्कुल ध्यान नहीं देती। साथ ही बार-बार बाजार जाने के कारण आप खुद को हाईड्रेट भी नहीं रखती जिसकी वजह से शादी वाले दिन स्किन बेहद ही बेजान दिखाई देती है।

● इतनी सारी शॉपिंग में अक्सर हम छोटे सामानों को भूल जाते हैं। ऐसे में आप एक लिस्ट तैयार करें और फिर जो सामान खरीद लें उस पर टिक कर दें। इस तरह से शॉपिंग करना आपके लिए काफी आसान होगा ●

आंखों में जलन और खुजली से पाएं राहत

क्या है ड्राई आइज़?

आंखों का सूखापन या ड्राई आई डिज़ीज़ (DED) तेज़ी से बढ़ रही आंखों की समस्या है। डीईडी तब होता है जब मीबोमियन और लैक्रिमल ग्रंथियां पर्याप्त तेल और पानी के तरल पदार्थ उत्पन्न करने में विफल हो जाती हैं, या दूसरे शब्दों में कहें तो जब आप अपनी आंखों को चिकनाई और पोषण देने के लिए पर्याप्त गुणवत्ता वाले आंसू नहीं पैदा करती हैं। उचित मात्रा में आंखों में आंसु पैदा नहीं होने के चलते आंखों में नमी कम हो जाती है, जिसके चलते आंखों से संबंधी कई तरह की समसम्याओं का सामना करना पड़ात है। ड्राई आई डिज़ीज़ आंखों की एक बहुत ही कष्टकारक समस्या है।

डीईडी पर वायु प्रदूषण के प्रभाव

नेत्र विशेषज्ञों की मानें, तो आंखों में एलर्जी और इससे संबंधित अन्य समस्याओं का प्रमुख कारण हवा में धूल और धुआं की मात्रा अधिक होना है। बढ़ते प्रदूषण के कारण आंखों में सूखापन और नेत्र संबंधी एलर्जी की घटनाएं बढ़ रही हैं। हम सभी जानते हैं कि हमारी आंखें हमारे स्वास्थ्य का द्वार होती हैं और हम जो कुछ भी अनुभव करते हैं उसका लगभग 80% हमारी दृष्टि के माध्यम से होता है। चूंकि यह एक संवेदनशील अंग है जिसमें पर्यावरण का संपर्क अन्य अंगों की तुलना आसानी से हो जाता है। वहीं दूसरी ओर, हवा में पैदा होने वाले दूषित पदार्थ आंखों में गंभीर जलन से लेकर लगातार बेचैनी तक पैदा करते हैं।

आंखों में सूखेपन के क्या कारण हैं

शार्प साईट आई हॉस्पिटल्स में सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. सौम्या शर्मा, का कहना है कि आहार में पोषक तत्वों की कमी और ख़राब लाइफस्टाइल के साथ ही ऐसे कई कारण हैं जिसकी वजह से आंखों में सूखेपन की समस्या हो जाती है। जैसे, अत्यधिक कंप्यूटर का उपयोग, कॉन्टैक्ट लेंस का उपयोग, धूम्रपान करना, स्वास्थ्य जटिलताएं और एलर्जी सहित ऐसे कई कारण हैं, जो आपकी आंखों को ड्राई कर सकते हैं।

आंखों के सूखेपन का उपचार

शार्प साईट आई हॉस्पिटल्स में सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. हेम शाही का कहना है कि डीईडी एक पुरानी और आम बीमारी है। इसका इलाज में लक्षणों को नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर, मोबाइल, टैब, टीवी के ज्यादा उपयोग से होने वाली ड्राई आइज़, के लिए ड्राई आई थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें आर्टिफिशियल आंसू या अन्य चिकनाई वाली आई ड्रॉप के नियमित उपयोग से आराम मिल सकता है। इसके अलावा डाइट्री सप्लीमेंट्स जैसे ठंडे पानी वाली मछली जैसे सैल्मन, सार्डिन, हेरिंग, कॉड, और ओमेगा -3 फैटी एसिड में उच्च अलसी के तेल जैसे डाइट्री सप्लीमेंट्स भी डीईडी में मददगार साबित हो सकती हैं। आंखों में संक्रमण या एलर्जी होने पर, आंखों की ठंडी सिकाई, अच्छा धूप का चश्मा, लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप का उपयोग किया जा सकता है। अगर आप कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, तो इन्हें तब तक न पहनें जब तक आंखें पूरी तरह से ठीक न हो जाएं। इसके अलावा, ज़रूरी विटामिन और मिनरल्स से भरपूर डाइट लेना, स्वस्थ रहना, धूम्रपान छोड़ना, हाथों की सफाई बनाए रखना और अपने परिवार के इतिहास का अध्ययन करना ज़रूरी है, क्योंकि कुछ आंखों के विकार आनुवंशिक होते हैं, इससे आपको जल्दी सावधानी बरतने में मदद मिलेगी। नियमित रूप से आंखों के डॉक्टर से संपर्क करें। ●

आज की रेसिपी

झोल मोमोज

आपने आज तक मोमोज की कई वैरायटी का स्वाद चखा होगा लेकिन क्या आपने कभी नेपाली फूड डिश झोल मोमोज़ ट्राई किया है। जी हां, यह एक फेमस नेपाली स्ट्रीट फूड डिश है। झोल मोमोज़ एक सूप बेस डिश है जिसमें मेन इन्ग्रेडिएंट्स चिकन, टमाटर, प्याज और मसाले होते हैं। तो इस सर्दी ठंड को दूर भगाने और स्वाद का मजा दोगुना करने के लिए ट्राई करें टेस्टी झोल मोमोज़ रेसिपी।

सामग्री

- कीमा किया हुआ चिकन
- मैदा – 1/2 कप
- टमाटर प्यूरी – 1/2 कप
- लहसुन – 1 टेबल स्पून
- काली मिर्च – 1 टी स्पून
- हल्दी – 1 टी स्पून
- लाल मिर्च – 1 टी स्पून
- तेल – 1 टेबल स्पून
- नमक – 1 टी स्पून
- अदरक – 1 टेबल स्पून

विधि

- झोल मोमोज बनाने के लिए सबसे पहले कीमा किया हुआ चिकन में लहसुन और मसाला डालकर अच्छी तरह मैश कर लें। जब सारी चीजें अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तो इन्हें अलग रख दें। अब मोमोज बनाने के लिए मैदा में नमक और थोड़ा सा तेल डालकर आटा गूंथ लें। ध्यान रखें मोमोज बनाने के लिए आटा नरम ही रखें।
- अब आटे की लोइयां बनाकर रोटी की तरह पतली गोलाकार बेलकर इसमें बीच में तैयार की हुई फिलिंग को भर दें। इस तरह एक-एक करके सारे मोमोज बना लें। अब इन तैयार मोमोज को भाप में पकाएं। इसके लिए आप मोमोज बनाने के पॉट का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब मोमोज के लिए झोल बनाने की शुरुआत करें।
- झोल के लिए सबसे पहले टमाटर की प्यूरी को पकाएं। जब वह पकने लगे तो उसमें अदरक, लाल मिर्च, हल्दी, काली मिर्च डालकर अच्छी तरह चमचे से मिला लें। झोल के गाढ़ा होने पर इसमें पानी डालकर एक बार फिर अच्छी तरह से उबाल आने दें। अब तैयार झोल को एक बड़े बाउल में निकालकर ऊपर से मोमोज डाल दें। आपका टेस्टी मोमोज झोल सर्व करने के लिए तैयार है।

बीमारियों का बेहतरीन इलाज है सिंघाड़ा

सर्दी का मौसम खाने-पीने के लिहाज़ से बेहद बढ़ियां होता है। इस मौसम में बेशुमार फल और सब्जियां पाई जाती है। सर्दी के मौसम में पाया जाने वाला सिंघाड़ा एक ऐसा फल है, जो सेहत के लिए बेहद उपयोगी है। विटामिन-ए, सी, मैंगनीज, थायमाइन, कर्बोहाईड्रेट, टैनिन, सिट्रिक एसिड, रीबोफ्लेविन, एमिलोज, फास्फोराइलेज, एमिलोपैक्टीं, बीटा-एमिलेज, प्रोटीन, फैट निकोटेनिक एसिड जैसे पोषक तत्वों से भरपूर सिंघाड़ा सर्दी में सेहत को ठीक रखता है। एंटी-ऑक्सिडेंट गुणों से भरपूर सिंघाड़ा सर्दी में होने वाली गले की खराश और टॉन्सिल का बेहतरीन इलाज है। यह सर्दी में होने वाली कई बीमारियों को दूर करता है। रात को नींद नहीं आती तो सिंघाड़ा का सेवन कीजिए।

अस्थमा के मरीजों के लिए बेहद उपयोगी है

अस्थमा के मरीजों के लिए सिंघाड़ा बेहद

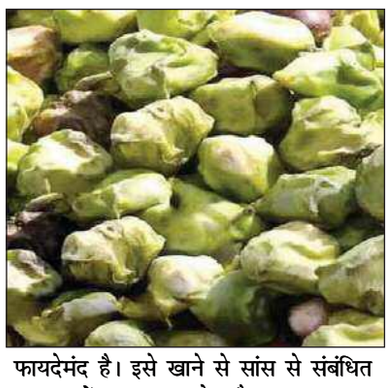

फायदेमंद है। इसे खाने से सांस से संबंधित समस्याओं का उपचार होता है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है

सिंघाड़ा का सेवन करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। हाई ब्लड प्रेशर कई परेशानियों का कारण बन सकता है।

सिंघाड़ा हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करके दिल को सेहतमंद रखता है।

दर्द का बेहतरीन उपचार है

बॉडी के जिस हिस्से में दर्द हो वहां पर सिंघाड़े का पेस्ट लगाने से दर्द से आराम मिलता है। सिंघाड़ा स्किन को हाइड्रेट रखता है, इसे खाने से फटी एड़ियों में भी राहत मिलती है।

हड्डियों को मजबूत करता है

सिंघाड़े में भरपूर मात्रा में कैल्शियम मौजूद होता है, जो हड्डियों के लिए बेहद उपयोगी है। सिंघाड़े खाने से शरीर में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार है।

वजन को कंट्रोल रखता है

सिंघाड़ा का सेवन करने से वजन कंट्रोल रहता है। इसमें मौजूद लो कैलोरी और प्रचुर मात्रा में फाइबर वजन कम करने के लिए बेहतरीन कॉम्बिनेशन है।

प्रेग्नेंसी में बेहद असरदार है

प्रेग्नेंसी के दौरान सिंघाड़े का सेवन करने से महिला और उसके बच्चे की सेहत अच्छी रहती है। ●

इन चीजों का सेवन कर पाएं लंबी उम्र

बदलते लाइफस्टाइल और खान-पान ने ना सिर्फ हमारी सेहत को खराब कर दिया है बल्कि हमारी उम्र भी छोटी कर दी है। लम्बी उम्र जीना चाहते हैं तो उसके लिए सिर्फ बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद काफी नहीं है, बल्कि आपकी डाइट उसमें बेहद उपयोगी है। कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि लोगों की घटती उम्र के लिए उनका लाइफस्टाइल और डाइट जिम्मेदार है।

हेल्दी डाइट में ज्यादातर सब्ज़ियां, फल और साबुत अनाज, हेल्दी फैट और हेल्दी प्रोटीन खाने चाहिए। इसके साथ ही मीठी चीजों से दूरी बनाएं। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी चीजें हैं जो आपको लंबे समय तक जिंदा रखने में मदद करती हैं।

अनार का करें सेवन

लंबी उम्र जीना चाहते हैं, तो अनार को अपनी डाइट में शामिल करें। अनार में विटामिन A, C, E और आयरन जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए उपयोगी हैं। अनार में एंटी-वायरल और एंटी-ट्यूमर तत्व भी मौजूद होते हैं। अनार में मौजूद माइटोकांड्रिया मांसपेशियों को स्ट्रॉन्ग करता है।

शहद का सेवन करें

शहद में लम्बी उम्र का राज छुपा है। शहद खाने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं, साथ ही इम्यूनिटी भी इम्प्रूव होती है। शहद में ऐसे कई पोषक तत्व मौजूद हैं, जो कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करता हैं।

कच्चा केला जरूर खाएं

कच्चा केला सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। कच्चे केले में एक प्रकार का प्रीबायोटिक होता है, जो पेट में मौजूद हेल्दी बैक्टीरिया के लिए खाना उपलब्ध कराता है।

फर्मेंटेड फूड्स को करें डाइट में शामिल

फर्मेंटेड फूड में प्रोबायोटिक्स, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीमाक्रोबियल प्रॉपर्टीज होती हैं, जो लम्बी उम्र के लिए जरूरी है। ●

फटते और सूखते हैं लिप्स? तो आज से ही फॉलो करें ये टिप्स

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही स्किन तो ड्राई होना शुरू हो ही जाती है, लेकिन होठों के फटने और सूखने की समस्या ज्यादा गंभीर हो जाती है। कई लोगों को ये समस्या इतनी ज्यादा हो जाती है कि उनके होठों से खून बहने लगता है। ऐसा इसलिए होता है कि लोग होठों की डेड स्किन को जबरदस्ती निकालते हैं। ऐसे में कितना भी लिप बाम क्यों न लगा लिया जाए, होठ सॉफ्ट होते ही नहीं हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देने वाले हैं जिसकी मदद से आप फटे होठों से छुटकारा पा सकते हैं।

डेड स्किन करें रिमूव

होठों को हेल्दी और सॉफ्ट बनाने के लिए आपको डेड स्किन को हटाने की जरूरत है। इसके लिए आपको न तो इन्हें आपको अपने दातों से चबाना है और न ही अपने हाथ से हटाना है। इसे रिमूव करने के लिए ऐपको दो चम्मच बेकिंग सोडा में एक चम्मच पानी मिलाना है। इसे अच्छे से मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। फिर इसे होठों पर लगाकर उंगलियों की मदद से रब करें। फिर पानी से होठों को धोएं और टिशू से साफ करें। फिर होठों पर ऑलिव ऑयल लगाएं। ऐसा करने से होठों से डेड स्किन हट जाएगी।

इन बातों का भी रखें ध्यान

● कई लोगों में होठों को बार-बार हाथ लगाने की आदत होती है। ऐसा करने से होठों के फटने की समस्या और ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे में आप ऐसा न करें। इसके अलावा होठों पर बार-बार हाथ लगाने से सूजन और खुजली भी हो सकती है।

● कई लोग होठों पर जीभ फेरते हैं, ऐसा करने से लिप्स और भी ज्यादा फटने लगते हैं। अगर आपकी ऐसी आदत है तो ऐसा करना बंद कर दें।

● ठंड के मौसम में लोग पानी पीना कम कर देते हैं। होठ फटने और सूखने का ये भी एक कारण हो सकता है। होठों की स्किन पर पानी और नमी की कमी हो जाती है। ●

छरहरी काया के साथ ही दिमागी सुकून भी देती है डांस थेरेपी

पूरी दुनिया में हर समुदाय के लोग सदियों से नाच-गाकर अपनी खुशी जाहिर करते आ रहे हैं। पारंपरिक रूप से नाचने को हर्ष- उल्लास की अभिव्यक्ति का सबसे सरल और सशक्त माध्यम माना जाता था, लेकिन अब डांस का उपयोग प्रतिभा के रूप में ही नहीं बल्कि मानसिक रोगों के उपचार के लिए भी किया जा रहा है।

इस बारे में एक रिसर्च की गई। जिसमें शामिल अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का कहना है कि आजकल यह थेरेपी शरणार्थियों का तनाव और अवसाद दूर करने में भी मददगार साबित हो रही है। रिसर्च के मुताबिक डांस के दौरान व्यक्ति खुश रहता है, जिससे उनके ब्रेन से डोपामिन हॉर्मोन का सिक्रीशन तेजी से होता है, जो खुशी का एहसास दिलाकर चिंता, उदासी, तनाव और दर्द को दूर करता है।

डिप्रेशन और एंग्जाइटी के मरीजों पर नृत्य का सकारात्मक प्रभाव नजर आ रहा है। इससे संबंधित क्लिनिकल रिसर्च के बाद यह रोचक तथ्य भी सामने आया कि डांस से जुड़ी शारीरिक गतिविधियां ऑटिज्म जैसी मानसिक दुर्बलता से पीड़ित बच्चों और डिमेंशिया जैसे मनोरोगों से जूझ रहे बुजुर्गो को भी काफी राहत देती हैं। अगर दवाओं के साथ इस थेरेपी का भी उपयोग किया जाए तो लोगों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होता है

ऑटिज्म और डिमेंशिया में भी फायदेमंद

डिप्रेशन और एंग्जाइटी के मरीजों पर नृत्य का सकारात्मक प्रभाव नजर आ रहा है। इससे संबंधित क्लिनिकल रिसर्च के बाद यह रोचक तथ्य भी सामने आया कि डांस से जुड़ी शारीरिक गतिविधियां ऑटिज्म जैसी मानसिक दुर्बलता से पीड़ित बच्चों और डिमेंशिया जैसे मनोरोगों से जूझ रहे बुजुर्गो को भी काफी राहत देती हैं। अगर दवाओं के साथ इस थेरेपी का भी उपयोग किया जाए तो लोगों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होता है। कैलोरी बर्न करने के लिए तो डांस को कारगर माना ही जाता था लेकिन अब दिमागी सुकून और शांति के लिए भी यह प्रभावी माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

एक्सपर्ट की राय

केवल डांस ही नहीं बल्कि हर कला तनाव दूर करने में मददगार होती है। डांस और म्यूजिक के साथ व्यक्ति हर तरह की चिंता से दूर हो जाता है। संगीत के साथ ब्रेन पॉजिटिव ढंग से रिएक्ट करता है। ●

यूपी योद्धा का लक्ष्य बंगाल के खिलाफ अपनी जीत की गति को जारी रखना

बेंगलुरु। जीएमआर समूह की पीकेएल खेलने वाली फ्रैंचाइज़ी, यूपी योद्धा, पुनेरी पलटन और तेलुगु टाइटंस के खिलाफ लगातार दो जीत के दम पर 21 जनवरी, 2022 को मौजूदा चैंपियन बंगाल वारियर्स के खिलाफ लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए बेताब है। योद्धा अभी 33 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज है जबकि बंगाल वॉरियर्स 30 अंको के साथ 8वें स्थान पर है।

पिछली बार जब दोनों टीमें भिड़ी थीं तो वॉरियर्स ने शेरेटन ग्रैंड व्हाइटफील्ड होटल और कन्वेंशन सेंटर में योद्धाओं को मौजूदा पीकेएल सीज़न के पहले दिन 38-33 के स्कोर से मात दी थी। दोनों पक्ष अब तक 9 बार आमने-सामने आ चुके हैं, जिसमें से यूपी योद्धा दो बार बंगाल वारियर्स से बेहतर प्रदर्शनहासिल करने में सफल रहा है, तीन मैच ड्रॉ रहे हैं और चार बार योद्धाओं को हार का सामना करना पड़ा है।

योद्धाओं ने अपने खेल को बेहतर तरीके से बढ़ाया है और हाल के मुकाबलों में उनका दबदबा रहा है। सुरेंद्र गिल, प्रदीप नरवाल और श्रीकांत जाधव रेडिंग विभाग में आना ज़िम्मा संभाले हुए हैं जबकि डिफेंस की कमान नितेश कुमार और सुमित अपने हाथों में लिए हुए हैं। सुरेंद्र गिल जिन्होंने पुनेरी पल्टन के खिलाफ अपने आखिरी गेम में 21 अंक अर्जित किए, अब इस सीजन में 5 सुपर रेड के साथ दूसरे सबसे ज्यादा सुपर रेड करने वाले रेडर हैं। इसके अलावा गिल कुल अंक और सफल रेड तालिका में क्रमशः 5वें और 6वें स्थान पर मौजूद हैं । दूसरी ओर, स्टार रेडर प्रदीप नरवाल शानदार प्रदर्शन के साथ फॉर्म में वापसी करते दिख रहे हैं। योद्धाओं की डिफेंस तिकड़ी - कप्तान नितेश, सुमित और आशु ने अपने कौशल का एक ठोस प्रदर्शन किया है।

मैच से पहले यूपी योद्धा के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा कि, हमें खुशी है कि हम लगातार जीत रहे हैं। हम अपने फॉर्म को बनाए रखने के लिए भी आश्वस्त हैं, लेकिन प्रो कबड्डी लीग एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी लीग है और हम यह भी जानते हैं कि मैच सेकंड के भीतर बदल जाते हैं, इसलिए हम हर मैच में अपना सब कुछ देने के अलावा किसी और चीज़ से समझौते नहीं कर सकते हैं।

मुगुरुजा और कोंटावीट आस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर

मेलबर्न। महिला वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त गरबाइन मुगुरुजा और छठी वरीयता प्राप्त एनेट कोंटावीट सीधे सेटों में हारकर गुरुवार को यहां आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गयी।

मुगुरुजा एक बार भी ब्रेक प्वाइंट लेने की स्थिति में नहीं पहुंची और उन्होंने लगातार सहज गलतियां की। एलाइज कॉर्नेट ने उन्हें 6-2, 6-3 से हराया। वह महिला वर्ग में बाहर होने वाली सबसे अधिक वरीयता वाली खिलाड़ी है।

इससे ठीक पहले डेनमार्क की 19 वर्षीय क्लारा टॉसन ने कोंटावीट को 6-2, 6-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। टॉसन तीसरे दौर में 2019 की सेमीफाइनलिस्ट डेनिली कोलिन्स से भिड़ेगी।

महिला वर्ग के अन्य मैचों में सातवीं वरीयता प्राप्त और 2020 की फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियातेक ने रेबेका पीटरसन को 6-2, 6-2 और 31वीं वरीयता प्राप्त मार्केटा वांड्रोसोवा ने लियुडमिला सैमसोनोवा को 6-2, 7-5 से पराजित किया।

पुरुष वर्ग में पांचवी वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव, 2014 के यूएस ओपन चैंपियन मारिन सिलिच, 24वीं वरीयता प्राप्त डैन इवान्स और विश्व में 70वीं रैंकिंग के मैक्सिम क्रेसी आगे बढ़ने में सफल रहे।

अंडर-19 विश्व कप :आस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को सात विकेट से हराया

बासेटेर । कप्तान टीग वायली के नाबाद शतक और एडेन काहिल के आलराउंड खेल की मदद से आस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में स्कॉटलैंड को सात विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने के बाद स्कॉटलैंड ने चार्ली टीयर (54), थॉमस मैकिनटोश (54) और ओलिवर डेविडसन (33) की अच्छी पारियों की मदद से आठ विकेट पर 236 रन बनाये। आस्ट्रेलिया की तरफ से काहिल और विलियम साल्जमैन ने दो - दो विकेट लिये। आस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में 39.3 ओवर में तीन विकेट पर 240 रन बनाकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। वायली ने 115 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 101 रन बनाये। वायली ने कैंपबेल कैलावे (47) के साथ पहले विकेट के लिये 101 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। उन्होंने काहिल के साथ दूसरे विकेट के लिये 98 रन जोड़े। काहिल ने 45 गेंदों पर 72 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें सात चौके और चार छक्के शामिल हैं।

आईसीसी महिला वनडे टीम 2021 में मिताली राज और झूलन गोस्वामी शामिल

दुबई। मिताली राज और झूलन गोस्वामी को गुरुवार को आईसीसी महिला वनडे टीम 2021 में शामिल किया गया है। मिताली और झूलन के अलावा टीम में और किसी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। टीम की कमान इंग्लैंड की हीथर नाइट को मिली है।

टीम में दक्षिण अफ्रीका के तीन, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के एक-एक, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के दो-दो खिलाड़ी शामिल हैं।

इंग्लैंड की महिला कप्तान नाइट कई वर्षों से इंग्लिश टीम के मध्य-क्रम की महत्वपूर्ण सदस्य रही हैं। नाइट ने इस साल 42.30 की औसत से कुल 423 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने गेंद से भी अहम भूमिका निभाई और 19.80 की औसत से पांच विकेट चटकाए।

भारत की अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान मिताली राज इस साल कोई शतक नहीं बनाया लेकिन उनके नाम कुल छह अर्धशतक हैं। वहीं, 39 वर्षीय झूलन ने 2021 में कुल 15 विकेट लिए और 3.77 की उत्कृष्ट इकॉनमी रेट भी बनाए रखा।

आईसीसी महिला वनडे टीम 2021 इस प्रकार हैः-

लिजेल ली (दक्षिण अफ्रीका), एलिसा हीली (ऑस्ट्रेलिया), टैमी ब्यूमोंट (इंग्लैंड), मिताली राज (भारत), हीथर नाइट (कप्तान, इंग्लैंड), हेले मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), मारिजाने कप (दक्षिण अफ्रीका), शबनम इस्माइल (दक्षिण अफ्रीका), फातिमा सना (पाकिस्तान), झूलन गोस्वामी (भारत), और अनीसा मोहम्मद (वेस्टइंडीज)।

भारतीय स्पिनरों पर दबाव बनाने के लिये रिवर्स स्वीप खेलने का प्रयास किया : वान डर डुसेन

पार्ल।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डर डुसेन खुश हैं कि उन्होंने अपने स्वीप शॉट का अच्छा नमूना पेश करके पहले एकदिवसीय मैच में भारतीय स्पिनरों की लय बिगाड़ने में भूमिका निभायी।

वान डर डुसेन के नाबाद 129 रन और कप्तान तेम्बा बावुमा के साथ उनकी 204 रन की साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच 31 रन से जीता।

वान डर डुसेन ने बुधवार को मैच समाप्त होने के बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैंने क्रीज पर कदम रखा तब स्कोर तीन विकेट पर 68 रन था। गेंद थोड़ा टर्न ले रही थी और इसलिए मैं जानता था कि मुझे स्वीप शॉट खेलने होंगे। आम तौर पर यहां का विकेट काफी धीमा होता है। मैंने रिवर्स स्वीप खेलने का भी प्रयास किया। मैंने उन पर (भारतीय स्पिनरों) दबाव बनाने की कोशिश की।''

उन्होंने कहा, ''पार्ल में परिस्थितियां आमतौर पर स्पिनरों और धीमी गेंदबाजों के अनुकूल होती हैं। जिस तरह से हमने वेस्टइंडीज में टी20 श्रृंखला से लेकर श्रीलंका में श्रृंखला और टी20 विश्व कप तक अपने खेल कौशल को निखारा उसका फायदा मिला।''

वान डर डुसेन ने इससे पहले टेस्ट श्रृंखला में आखिरी दो मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए अहम योगदान दिया था जिससे निश्चित तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

उन्होंने कहा, ''टेस्ट मैचों में दबाव की परिस्थितियों में दो बार लक्ष्य हासिल करने का मतलब था कि हम एक टीम के रूप में विश्वास

से भरे थे। कुल मिलाकर यह बल्लेबाजों के लिये अच्छा दिन रहा।''

वान डर डुसेन ने युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ अच्छी तरह से स्वीप शॉट खेले जिसका श्रेय उन्होंने नेट्स पर कड़े अभ्यास तथा धीमी गति के गेंदबाजों को खेलने के लिये अपने कौशल में निखार को दिया।

उन्होंने कहा, ''पार्ल में परिस्थितियां आमतौर पर स्पिनरों और धीमी गेंदबाजों के अनुकूल होती हैं। जिस तरह से हमने वेस्टइंडीज में टी20 श्रृंखला से लेकर श्रीलंका में श्रृंखला और टी20 विश्व कप तक अपने खेल कौशल को निखारा उसका फायदा मिला।''

वान डर डुसेन ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों पर हावी होने के लिये जाना जाता है लेकिन हमने स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिये लगातार कड़ी मेहनत की जिससे बहुत मदद मिली।''

भारतीय मूल के अक्षय भाटिया को कॉर्न फेरी टूर का खिताब

बहामास । भारतीय मूल के युवा गोल्फर अक्षय भाटिया ने यहां सैंडल्स एमराल्ड बे में कोर्न फेरी टूर के बहामास ग्रेट एक्जुमा क्लासिक का खिताब जीता।

इस जीत से 19 वर्षीय भाटिया 1990 में टूर की स्थापना के बाद से कोर्न फेरी टूर की कोई प्रतियोगिता जीतने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये।

भाटिया ने अंतिम दौर में सात अंडर 65 का कार्ड खेला जिससे वह दो शॉट से जीत दर्ज करने में सफल रहे। उन्होंने कुल 14 अंडर 274 का स्कोर बनाया। पॉल हेनली 12 अंडर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

अमेरिका में रहने वाले भाटिया आस्ट्रेलिया के विश्व में पूर्व नंबर एक गोल्फर जैसन डे और कोरियाई स्टार सुंगजी इम के बाद तीसरे किशोर खिलाड़ी हैं जिन्होंने यह टूर्नामेंट जीता।

मुश्किल दौर ने मजबूत बनाया, लेकिन मन की स्पष्टता और शांतचित होना जरूरी थाःधवन

पार्ल। भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का मानना है कि उनके करियर के प्रत्येक मुश्किल दौर ने उन्हें 'मजबूत' बनाया है, लेकिन अपने मन की स्पष्टता और शांतचित बने रहने से ही वह इस दौर से पार पाने में सफल रहे।

भारतीय एकदिवसीय टीम में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी धवन की घरेलू क्रिकेट में खराब फॉर्म को लेकर काफी बातें की गयी लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 79 रन बनाकर शानदार वापसी की। भारत हालांकि इस मैच में हार गया था।

धवन से मैच के बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया कि वह स्वयं को नकारात्मकता से कैसे दूर रखते हैं, उन्होंने कहा, ''मैं मीडिया की नहीं सुनता, मैं समाचार पत्र नहीं पढ़ता और समाचार नहीं देखता। इस तरह से मुझे यह सब जानकारी नहीं मिलती।''

उन्होंने कहा, ''मुझे खुद पर पूरा भरोसा है कि मेरा खेल कैसा है इसको लेकर मेरी सोच स्पष्ट है। मैं शांतचित बने रहता हूं। यह जीवन का हिस्सा है, जीवन में ऐसा होता है। हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, इसलिए इसमें कुछ भी नया नहीं है। मेरे करियर में पहली या आखिरी बार ऐसा नहीं हो रहा है। ऐसा होता है। यह मुझे मजबूत बनाता है।''

धवन ने दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर जाने से पहले विजय हजारे ट्राफी के पांच मैचों में शून्य, 12, 14, 18 और 12 रन बनाये थे। लेकिन जब भी धवन को टीम से बाहर करने की बात उठी तब उन्होंने बड़ी पारी खेलकर आलोचकों का मुंह बंद किया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भी उन्होंने टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाये।

धवन ने कहा, ''ऐसी बातें (टीम से बाहर करने की) हमेशा होती रहती हैं और मैं इनका आदी हूं। मैं केवल इतना जानता हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि मेरी तैयारियां और प्रक्रिया अच्छी रहे। इसके बाद मैं बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देता हूं।''

उन्होंने कहा, ''मैं अपने अनुभव और आत्मविश्वास के कारण जानता था कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा और मुझे खुशी है कि मैंने आज अच्छी पारी खेली। मैं जब तक क्रिकेट खेल रहा हूं मुझे स्वस्थ और फिट रहना होगा और लगातार रन बनाने होंगे।''

धवन ने दक्षिण अफ्रीका से मिली 31 रन की हार के बारे में कहा कि इस विकेट पर रन बनाना आसान नहीं था क्योंकि वह धीमा था।

उन्होंने कहा, ''हमने अच्छी शुरुआत की थी और मुझे लगता है कि विकेट धीमा था। यह थोड़ा सा टर्न भी दे रहा था। इसलिए जब आप लगभग 300 रन के लिये लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हो और मध्यक्रम के बल्लेबाज उतरते हैं तो उनके लिये शॉट खेलना आसान नहीं होता है।''

धवन ने कहा, ''हमने तेजी से विकेट गंवाये और इससे बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम पर असर पड़ा।''

मिस्र अफ्रीकन कप के अंतिम 16 में

याओंडे (कैमरून)। मिस्र ने ग्रुप डी के अपने अंतिम मैच में सूडान को 1-0 से हराकर अफ्रीकन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह सुनिश्चित की।

मिस्र ने शुरू से लगातार दबाव बनाये रखा। ऐसे में डिफेंडर मोहम्मद अब्देलमोनेम ने 35वें मिनट में कार्नर किक पर हेडर से गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

मिस्र ग्रुप डी में नाईजीरिया के बाद दूसरे स्थान पर रहा। नाईजीरिया ने एक अन्य मैच में गिनी बिसाउ को 2-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

नाईजीरिया की तरफ से उमर सादिक और विलियम ट्रूस्ट इकोंग ने दूसरे हाफ में गोल किये। नाईजीरिया अकेली ऐसी टीम रही जिसने ग्रुप चरण में अपने तीनों मैच जीते।

ईस्ट बंगाल ने चखवा जीत का स्वाद, गोवा को हराया

गोवा। एफसी गोवा को दो गलतियां भारी पड़ गई और इस कारण ईस्ट बंगाल को हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 में लम्बे इंतजार के बाद जीत का स्वाद चखने का अवसर मिल गया। फॉरवर्ड महेश नौरेम सिंह के दो गोल की मदद से रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने बुधवार को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए लीग मुकाबले में एफसी गोवा को 2-1 से हरा दिया। दो गोल करने के लिए महेश को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया।

ईस्ट बंगाल के लिए नए कोच मारिओ रिवेरा का मैदान पर उतरना भाग्यशाली रहा, क्योंकि उसने कुल 15 मैचों (पिछले सीजन में चार और इस सत्र में 11 मुकाबले) के लम्बे इंतजार के बाद जीत हासिल की। हीरो आईएसएल 21-22 में अपनी पहली जीत से ईस्ट बंगाल दस टीमों की अंक तालिका के तल से एक स्थान ऊपर आ गई है। उसके 12 मैचों में एक जीत और छह ड्रा से नौ अंक हो गए हैं। वहीं, पांचवीं हार के बाद गोवा एक स्थान लुढ़ककर नौवें स्थान पर आ गई है। भारतीय कोच डेरिक परेरा की टीम के 12 मैचों में तीन जीत और चार ड्रा से 13 अंक हैं।

मैच का पहला गोल नौवें मिनट में आया, जब महेश ने गोवा की डिफेंसिव गलती का फायदा उठाते हुए ईस्ट बंगाल को 1-0 से आगे कर दिया। दरअसल, गोवा के कप्तान एडु बेडिया ने हाफ लाइन पर अल्बेर्टो नोगुएरा को फॉरवर्ड पास खेलाया लेकिन मिडफील्डर ने अपने कप्तान को गलत बैक पास दे दिया। इस बैक पास को समझने में स्पेनिश सेंट्रल मिडफील्डर गलती कर गया और महेश चालाकी के साथ बेडिया के आगे से गेंद पर कब्जा करने में सफल रहे। ईस्ट बंगाल का यह फॉरवर्ड गेंद लेकर तेजी से बॉक्स के अंदर घुसा और महेश ने वन-टू-वन की स्थित में गोवा के गोलकीपर धीरज मोइरंगथेम को अपने शानदार लेफ्ट फुटर शॉट से मात देते हुए गोल कर दिया।

37वें मिनट में अल्बेर्टो नोगुएरा ने बेहतरीन गोल करके गोवा को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। जोर्गे ओर्टिज ने बाएं फ्लैंक से बॉक्स के अंदर थ्रू पास डाला, जिसे बॉक्स के अंदर जाने से रोकने के लिए ईस्ट बंगाल के डिफेंडर आदिल खान ने स्लाइड जरूर किया लेकिन गेंद नोगुएरा के पास पहुंच गई और स्पेनिश मिडफील्डर ने पहले ही टच पर लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को दूसरे पोस्ट के अंदर डाल दिया। ईस्ट बंगाल के गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य केवल गेंद को गोलजाल में उलझते हुए देखने के सिवाय कुछ नहीं कर सके। 42वें मिनट में महेश ने अपना और टीम का दूसरा गोल करके रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड को फिर से 2-1 से आगे कर दिया। इस बार भी ईस्ट बंगाल के फॉरवर्ड ने गोवा की डिफेंसिव गलती का फायदा उठाया। गोवा के डिफेंडर अनवर अली ने गोललाइन के करीब से एक गलत दिशा की तरफ पास दे बैठे। बॉक्स अंदर मौजूद महेश ने गेंद को बीच में रोककर फिर से करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाया और गेंद क्रॉस बार से लगकर नीचे गोललाइन पार करके बाहर ही ओर आ गई, जिसे रैफरी आदित्य पुर्कायस्थ ने लाइन्समैन से इशारा मिलते ही गोल करार दिया।

इस तरह ईस्ट बंगाल ने हिसाब चुकता किया। क्योंकि इस सीजन में जब दोनों टीमें पिछली बार एक-दूसरे खेली थीं, तब एफसी गोवा ने एक हाई-स्कोरिंग मैच में अपने प्रतिद्वंद्वियों को 4-3 से हराया था।

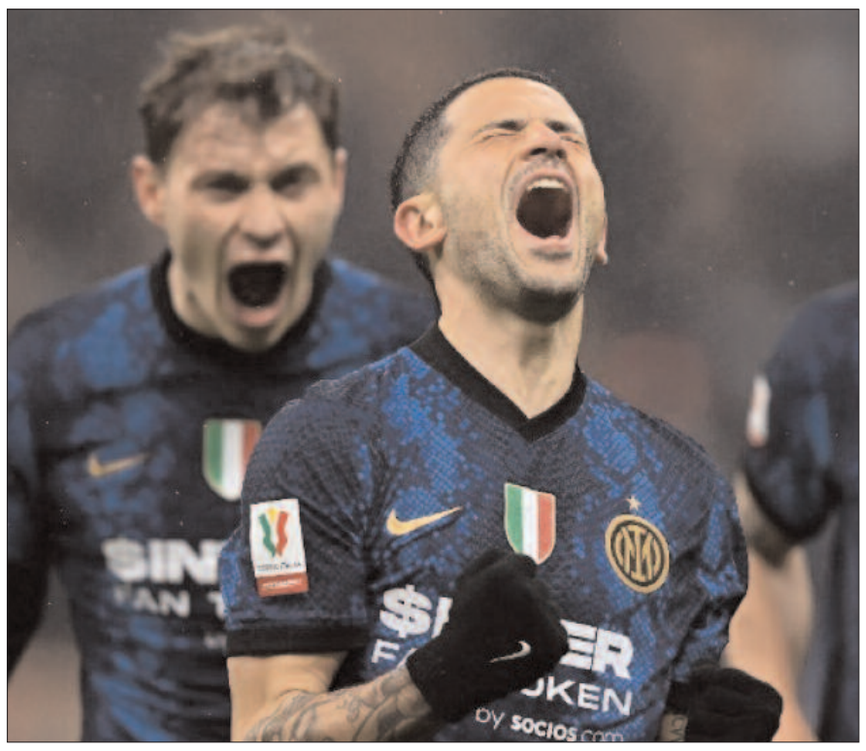

इंटर मिलान के स्टेफानो सेंसी ने इटालियन कप 2021-22 में एम्पोली के खिलाफ विजेता बनने के बाद प्रतिक्रिया दी